ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- प्रतिपदा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 326 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
01 जून 2026 सोमवार

आज का मौसम
40.0 अधिकतम
22.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अशोकनगर से उठती ऊर्जा क्रांति... बंगाल बन सकता है भारत का नया तेल केंद्र?

राजेश सिरोठिया

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के अशोकनगर में खोजा गया तेल और गैस का भंडार आज देश के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा संसाधनों में शुमार होने लगा है। वर्ष 2018 में हुई इसे शुरुआत में एक सामान्य हाइड्रोकार्बन खोज माना गया था, लेकिन बाद के परीक्षणों ने संकेत दिया कि यहां मौजूद कच्चा तेल न केवल व्यावसायिक रूप से लाभदायक है, बल्कि उसकी गुणवत्ता भी वैश्विक मानकों के मुताबिक है।

अशोकनगर से प्राप्त **कच्चा तेल 40-41 डिग्री एपीआई ग्रेविटी वाला लाइट स्वीट क्रूड है। यह वही श्रेणी है जिसमें दुनिया के सबसे पसंदीदा तेल ग्रेड जैसे ब्रेंट और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्लुटीआई)** आते हैं। कम सल्फर और कम घनत्व वाला यह तेल रिफाइनरियों के लिए बेहद मुफीद माना जाता है क्योंकि इसके प्रसंस्करण की लागत अपेक्षाकृत कम होती है। इससे पेट्रोल, डीजल तथा विमानन ईंधन जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पाद अधिक मात्रा में प्राप्त किए जा सकते हैं।

अशोकनगर की अहमियत केवल तेल तक सीमित नहीं है। यहां प्राकृतिक गैस के भी उल्लेखनीय भंडार मिले हैं। यदि इन संसाधनों का पूर्ण दोहन संभव हुआ तो यह क्षेत्र पूर्वी भारत के लिए वैसा ही ऊर्जा केंद्र बन सकता है जैसा पश्चिमी तट के लिए बॉम्बे हाई साबित हुआ था। दिलचस्प तो यह है कि गंगा बेसिन में हाल के वर्षों में हुई अन्य संभावित खोज एक बड़े ऊर्जा मानचित्र की ओर संकेत कर रही है। यदि गंगा बेसिन में हाइड्रोकार्बन संसाधनों की श्रृंखला विकसित होती है तो भारत के ऊर्जा भूगोल में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है।

अशोकनगर परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वैश्विक ऊर्जा राजनीति तेजी से बदल रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव और समुद्री व्यापार मार्गों पर बढ़ते जोखिमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न भी है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा विकास के बीच संतुलन कायम रहे। ऐसे में भारत की केंद्र सरकार अब समयबद्ध तरीके से प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में सफल रहती हैं, तो अशोकनगर आने वाले वर्षों में पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है। यह निवेश, रोजगार, पेट्रोकेमिकल उद्योग और बुनियादी ढांचे के विकास का नया द्वार खोल सकता है। प्रश्न केवल इतना है कि क्या हम इस अवसर को समय रहते भुना पाएंगे?

दुनिया में तेल भंडारों के हालात

दुनिया में वेनेजुअला का तेल भण्डार 303 अरब बैरल की कुल क्षमता के साथ सबसे ऊपर है। यह मुख्य रूप से वह उसके पूर्वी हिस्से में ओरिनको पट्टी में फैला है। सऊदी अरब 267 अरब बैरल के साथ दूसरी पायदान पर है। अमेरिका के पास 256 अरब बैरल के बड़े तेल भंडार हैं। तेल के भंडारों की तमाम खोज के बाद अमेरिका रूस से भी आगे खड़ा है। हालांकि वह कई कारणों से इसका पूरा इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। कनाडा के पास 167 अरब बैरल, ईरान के पास 143 अरब बैरल, ब्राजील के पास 120 अरब बैरल तेल के भंडार हैं। अमेरिका और कनाडा इस मामले में काफी भारी है। अमेरिका के साथ कानूनी जटिलताएं भी हैं। उधर, वेनेजुअला की उत्पादन और रिफायनिंग क्षमता सीमित रही है। रिफायनरी पुरानी हैं जिससे लागत काफी ज्यादा बैठती हैं। बावजूद इसके वह चीन के साथ भारत और क्यूबा को धड़ल्ले से तेल बेच रहा था। लेकिन ट्रम्प ने पिछले साल जनवरी में सत्ता में लौटते ही उस पर पाबंदियां लगाकर उसके निर्यात की कमर ही तोड़ दी। बहरहाल अमेरिका भी विशाल भंडार होने के बावजूद कानूनी जटिलताओं के चलते उत्पादन और उपयोग की क्षमता विकसित नहीं कर सका।

भारत का सबसे बड़ा तेल क्षेत्र बॉम्बे हाई

भारत का सबसे बड़ा तेल उत्पादक क्षेत्र बॉम्बे हाई है। यह देश के कुल कच्चे तेल उत्पादन का लगभग 65 फीसदी हिस्सा प्रदान करता है। यह मुंबई तट से लगभग 160 किलोमीटर दूर अरब सागर में स्थित क्षेत्र है। इसका संचालन और नियंत्रण ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन करता है। इसके अलावा भारत के सबसे बड़े तटवर्ती तेल उत्पादक क्षेत्रों में राजस्थान का बाड़मेर बेसिन (विशेष रूप से मंगला क्षेत्र) प्रमुख है, जो भारत की कुल घरेलू खपत का एक बड़ा हिस्सा पूरा करता है।

न्यूज विंडो

शुभेंदु मंत्रिमंडल में 35 नए मंत्रियों ने ली शपथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आज सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। लोकभवन में 35 नए मंत्रियों ने शपथ ली। इस विस्तार के साथ बंगाल में मंत्रिपरिषद की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। इससे पहले 9 मई को शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशीथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और क्षुदीराम टुडू ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी। राज्य मंत्रिमंडल में विधायकों की संख्या विधानसभा की कुल संख्या के 15 प्रतिशत तक सीमित है। पश्चिम बंगाल में 294 विधायक हैं, इसलिए मंत्रिमंडल में अधिकतम 44 विधायक हो सकते हैं।

जंगली हाथियों ने मचाई तबाही, दंपति को कुचला

सीधी। जिले की ग्राम पंचायत गाजर अंतर्गत चिनगी गांव में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। रात करीब 2 बजे जंगली हाथियों के झुंड ने एक कच्चे मकान को घेर लिया और घर में सो रहे वृद्ध दंपति पर हमला कर दिया। हाथियों ने मकान को तोड़ते हुए दोनों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान भैयालाल यादव (60 वर्ष) पिता लालमन यादव एवं उनकी पत्नी के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम और आक्रोश का माहौल है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए हैं और शवों को उठाने से इंकार कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यह हादसा केवल हाथियों के हमले का नहीं बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है।

लुधियाना में सीवर से निकली जहरीली गैस, तीन की मौत

लुधियाना। लुधियाना के आरके रोड स्थित एक फैक्टरी में आज पाना-चाबी (टूल) निर्माता फैक्टरी में सीवरेज से जहरीली गैस का रिसाव हो गया। इसमें सीवर की सफाई करने आए पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की जान चली गई। गैस रिसाव के बाद फैक्टरी परिसर में भगदड़ मच गई। गैस की चपेट में आने से कई अन्य मजदूर बेहोश हो गए। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद थाना मोती नगर की पुलिस सहित विभिन्न टीमें वहां पहुंच गई और राहत कार्य शुरु करवाया।

आज का कार्टून

द्विशा को चाहिए न्याय... प्रेग्नेंसी और गर्भपात के दावों की सच्चाई जानना चाहती है एजेंसी

द्विशा का अबॉर्शन करने वाले डॉक्टर को भी करना होगा सीबीआई का सामना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐक्ट्रेस और मॉडल रही द्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत की जांच कर रही सीबीआई ने अब उस डॉक्टर को भी समन जारी किया है, जिन्होंने कथित तौर पर द्विशा को मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) यानी गर्भपात की सलाह दी थी। जांच एजेंसी यह जानने का प्रयास कर रही है कि द्विशा की प्रेग्नेंसी और उसके बाद हुए गर्भपात को लेकर सामने आ रहे दावों में कितनी सच्चाई है तथा इन घटनाओं का उसकी मानसिक स्थिति पर वास्तव में कोई प्रभाव पड़ा था या नहीं।

सूत्रों के अनुसार सीबीआई डॉक्टर से यह जानकारी हासिल करना चाहती है कि द्विशा कब और किन परिस्थितियों में उनके संपर्क में आई थी, उसे क्या चिकित्सकीय सलाह दी गई थी और गर्भपात संबंधी प्रक्रिया के दौरान क्या तथ्य सामने आए थे। जांच एजेंसी इस पहलू को इसलिए महत्वपूर्ण मान रही है क्योंकि आरोपी समर्थ सिंह लगातार यह दावा कर रहा है कि गर्भपात के बाद द्विशा अवसाद में चली गई थी और इसी कारण उसने आत्मघाती कदम उठाया। हालांकि वह इस कथित आत्महत्या के पीछे के कारणों को लेकर कोई ठोस और संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रहा है।

इधर जांच में समर्थ की फरारी को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। सीबीआई को मिले इनपुट के अनुसार 15 मई को एफआईआर दर्ज होने के बाद समर्थ तत्काल भोपाल नहीं छोड़ पाया था और करीब तीन दिन तक शहर में ही रहा। इसके बाद वह जबलपुर पहुंचा, जहां उसने लगभग पांच दिन तक ठिकाना बनाया। जांच एजेंसी अब इस पूरे घटनाक्रम के दौरान उसकी गतिविधियों, संपर्कों और उसे मिली संभावित मदद की विस्तृत पड़ताल कर रही है। अगर ऐसे कुछ लोगों की जानकारी सामने आती है जिन्होंने उसे फरारी में मदद की तो उन्हें भी करवाई के दायरे में लिया जा सकता है।

सीबीआई द्विशा की मौत के बाद की परिस्थितियों को भी बारीकी से खंगाल रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि सबसे पहले द्विशा को किस स्थिति में देखा गया, उसे फंदे से किसने उतारा, उस समय घर में कौन-कौन मौजूद था और अस्पताल पहुंचाने तक क्या-क्या घटनाक्रम हुआ। इन बयानों का इलेक्ट्रॉनिक एवं फोरेंसिक साक्ष्यों से मिलान कर घटनाओं की सटीक टाइमलाइन तैयार की जा रही है। द्विशा की मौत का मामला शुरू से ही आत्महत्या और हत्या के बीच उलझा हुआ है। जहां समर्थ लगातार इसे आत्महत्या बता रहा है, वहीं सीबीआई मौत से पहले दोनों के संबंधों, कथित मारपीट, साक्ष्यों से संभावित छेड़छाड़ और घटनास्थल से मिले सबूतों की जांच कर रही है। एजेंसी का फोकस इस बात पर है कि यदि यह आत्महत्या थी तो उसके पीछे तत्काल कारण क्या थे और यदि नहीं, तो मौत से पहले घटनाक्रम किस प्रकार विकसित हुआ।

समर्थ की फरारी में साथ देने वालों पर भी नजर

डॉक्टर की भूमिका इसलिए अहम्

गर्भपात कराने वाले डॉक्टर की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि सीबीआई यह जानना चाहती है कि द्विशा को गर्भपात की सलाह किन परिस्थितियों में दी गई थी और पूरी चिकित्सकीय प्रक्रिया किस प्रकार हुई। जांच एजेंसी यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गर्भपात के बाद उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति कैसी थी। डॉक्टर के बयान से यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरोपी समर्थ सिंह द्वारा गर्भपात के बाद अवसाद में आने और आत्महत्या करने का जो दावा किया जा रहा है, उसमें कितनी सच्चाई है।

आईपीएल टीम की बस में शॉर्ट सर्किट

अहमदाबाद. एजेंसी

आईपीएल 2026 फाइनल के बाद गुजरात टाइटंस की टीम बस शॉर्ट सर्किट हो गया। बस के अंदर धुआं फैलने लगा था। एहतियात के तौर पर सभी खिलाड़ियों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कुछ देर इंतजार के बाद दूसरी बस की व्यवस्था की गई और सभी को होटल पहुंचाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

आरसीबी समर्थकों ने बस में की तोड़फोड़

कुरनूल. एजेंसी

आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में आरसीबी के फैन्स ने जीत के जोश में होश गवां दिया। यहां ऋआरसीबी के समर्थकों ने आधी रात को सड़क पर जमकर उत्पात मचाया। समर्थकों ने ट्रैफिक रोक कर सड़क पर हंगामा किया। इतना ही नहीं यहां से गुजर रही एक प्राइवेट बस पर भी उन्होंने हमला कर दिया। समर्थकों ने बस पर पत्थर फेंके, जिससे बस के कई शीशे टूट गए और यात्री भी काफी डर गए। हालांकि पुलिस ने किसी तरह से इन पर काबू पाया।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 53.50 रुपए तक महंगा

पांच किलो वाले सिलेंडर के दाम भी बढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी

कमर्शियल सिलेंडर आज से 53.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3113.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमतों में 11 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब इस सिलेंडर की कीमत 821.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल और हवाई जहाज के ईंधन पर नई एक्सपोर्ट ड्यूटी आज से लागू हो गई है।

भोपाल में कमर्शियल सिलेंडर 44 रूपए बढ़ने के बाद अब 3116.50 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। वहीं, इंदौर में 3222.50 रुपए, जबलपुर में 3290 रुपए, ग्वालियर में 3338.50 रुपए और उज्जैन में 3250 रुपए कीमत हो गई है। एफटीएल सिलेंडर की कीमत 11 रुपए बढ़कर 821.50 रुपए हो गई है। पहले इसकी कीमत 810.50 रुपए थी। 5 किलो घरेलू सिलेंडर के दाम 339 रुपए पर स्थिर हैं। इस सिलेंडर को छोटू सिलेंडर भी कहते हैं जिसे कोई भी बिना एड्रेस प्रूफ के ले सकता है। इनका ज्यादातर इस्तेमाल प्रवासी मजदूर, छात्र या छोटे दुकानदार करते हैं।

अकाली नेता के ठिकानों पर दबिश

अमृतसर, एजेंसी

अमृतसर के मजीठा पुलिस थाना परिसर में हुए विवाद और प्रदर्शन के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। मामले में दर्ज प्राथमिकी के बाद आरोपितों तक पहुंचने और उनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने 12 विशेष टीमों का गठन किया है। सूत्रों के अनुसार इन टीमों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और कई स्थानों पर दबिश देकर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। रविवार को मजीठा पुलिस थाना परिसर में हुए घटनाक्रम को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

राष्ट्रपति पेजेशकियान के इस्तीफे की खबर, ईरान ने किया खंडन

तेहरान. एजेंसी

एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने मीडिया की उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि मसूद पेज़ेशकियान ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय में संचार मामलों के उप-प्रमुख सैयद मेहदी तबातबाई ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति पेज़ेशकियान लोगों की सेवा करने से पीछे नहीं हटेंगे, ठीक वैसे ही जैसे ईरानी राष्ट्र एकजुटता और प्रतिरोध के मार्ग से पीछे नहीं हटेगा। यह टिप्पणी तब आई जब लंदन स्थित मीडिया संस्थान 'ईरान इंटरनेशनल' ने दिन में पहले यह रिपोर्ट दी थी कि पेज़ेशकियान ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के कार्यालय में अपना इस्तीफ़ा सौंप दिया है। रिपोर्ट में एक अधिकारी का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया कि उस पत्र में 'इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) की आलोचना की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार आईआरजीसी ने प्रभावी रूप से सरकार के बड़े हिस्सों पर नियंत्रण कर लिया है और राष्ट्रपति तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रियाओं से दरकिनार कर दिया है।

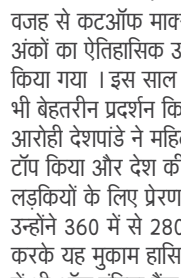

मेट्रो एंकर जेईई एडवांस्ड 2026 के नतीजे, इस बार कटऑफ मार्क्स में 18 अंकों की उछाल

पिता चलाते हैं हार्डवेयर की दुकान, बेटा बन गया जेईई एडवांस्ड टॉपर

नईदिल्ली, एजेंसी

जेईई एडवांस्ड 2026 के नतीजे घोषित होते ही देश को एक नया सितारा मिल गया है, शुभम कुमार। आईआईटी दिल्ली जोन के अंतर्गत आने वाले शुभम ने इस कठिन परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल कर देशभर में अपना नाम रोशन किया है। लड़कियों में आरोही देशपांडे टॉप पर हैं। शुभम कुमार मूल रूप से बिहार के गया जिले के रहने वाले हैं। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर शुभम ने देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में टॉप रैंक हासिल की है।

शुभम की सफलता के पीछे उनकी सालों की तपस्या और निरंतरता छिपी हुई है। उन्होंने 360 अंकों की परीक्षा में कुल 330 अंक हासिल किए। गया में शुरुआती पढ़ाई करने के बाद वे देश के सबसे बड़े एजुकेशन हब कोटा चले गए थे, जहां

शुभम कुमार

आरोही देशपांडे

उन्होंने जेईई की तैयारी के लिए खुद को पूरी तरह झोंक दिया। उनका अगला लक्ष्य देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी बॉम्बे से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना है। शुभम के पिता शिव कुमार गया में ही छोटी सी हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं।

कोडिंग और सॉफ्टवेयर में भविष्य : अपनी इस अविश्वसनीय सफलता का श्रेय शुभम अपने माता-पिता के आशीर्वाद, शिक्षकों के मार्गदर्शन और राजस्थान के कोटा शहर के कॉम्पिटिटिव माहौल को देते हैं। उनका मानना है कि जेईई जैसी कठिन परीक्षा को पास करने के लिए किसी जादुई ट्रिक की जरूरत नहीं होती, बल्कि 'कंसिस्टेंसी' यानी निरंतरता बनाए रखनी होती है। उन्होंने तैयारी के दौरान सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बना ली थी और रोजाना नियम से 7 से 8 घंटे की क्वॉलिटी स्टडी करते थे। शुभम का सपना है कि वे आगे चलकर कोडिंग और सॉफ्टवेयर की दुनिया में कुछ ऐसा बड़ा और इनोवेटिव काम करें जिससे उनके देश का नाम पूरी दुनिया में ऊंचाइयों पर पहुंचे।

रिद्धेश बेंडाले एमपी टॉपर इंदौर के रहने वाले रिद्धेश बेंडाले ने मप्र में टॉप किया है। इससे पहले वे इंटरनेशनल लेवल पर भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. उन्होंने फ्रांस में आयोजित 55वें इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड 2025 में स्वर्ण पदक जीता था।

रिद्धेश बेंडाले

कबीर दूसरे व जतिन तीसरे नंबर पर

दूसरे स्थान पर आईआईटी दिल्ली जोन के ही कबीर छिल्लर रहे जबकि तीसरा स्थान जतिन चाहर ने हासिल किया। इस बार के जेईई एडवांस्ड नतीजे बताते है की कॉम्पिटिशन जबरदस्त था। इसी वजह से कटऑफ मार्क्स में 18 अंकों का ऐतिहासिक उछाल दर्ज किया गया । इस साल लड़कियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया । आरोही देशपांडे ने महिला वर्ग में टॉप किया और देश की लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा बन गईं। उन्होंने 360 में से 280 अंक प्राप्त करके यह मुकाम हासिल किया। आरोही ने जेईई मेन में भी ऑल इंडिया रैंक 99 हासिल की थी।

कबीर छिल्लर

जतिन चाहर

राजधानी में जलसंकट गहराने से आए दिन सामने आ रही विवाद की घटनाएं

बोरवेल के पानी पर खूनी संघर्ष; दो परिवारों में चली कुल्हाड़ी और लाठियां, आठ घायल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी सहित आसपास के क्षेत्रों में जलसंकट गहराने से आए दिन विवाद की घटनाएं सामने आ रही हैं। ताजा मामला सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र का है।। यहां नीरजा नगर ओंकारा सेवनिया में बोरवेल के पानी को लेकर दो पड़ोसी परिवारों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया।

मामूली कहासुनी ने इतना उग्र रूप ले लिया कि दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना में चार महिलाओं समेत आठ लोग घायल हो गए, जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पड़ोसी के बोरवेल से पानी भरने पर हुआ विवाद

पुलिस के अनुसार नीरजा नगर निवासी मनीष लोधी के घर में लगे बोरवेल से पड़ोसी मंटूलाल लोधी का परिवार लंबे समय से पानी भरता था। हाल के दिनों में बोरवेल का जलस्तर कम होने के कारण मनीष के परिवार ने पानी देना बंद कर दिया था। इसी बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच कई दिनों से तनाव बना हुआ था।

चलीं कुल्हाड़ी और लाठियां

शनिवार रात विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि एक पक्ष के लोग मनीष के घर पहुंचे, जहां पहले कहासुनी हुई और फिर मारपीट शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार झड़प के दौरान मिर्च पाउडर फेंका गया और बाद में कुल्हाड़ी तथा लाठियों से हमला किया गया।

एक महिला की हालत गंभीर

हमले में मोनिकाबाई के सिर में गंभीर चोट आई है, उनकी स्थित नाजुक बताई जा रही है। विवाद के दौरान लक्ष्मीबाई, सीमा, धनीराम, सुरेश सहित कुल आठ लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों का उपचार कराया जा रहा है। सूखीसेवनिया थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोग

राजधानी भोपाल इन दिनों पानी के गंभीर संकट से जूझ रही है। खासकर कोलार रोड के डी-मार्ट क्षेत्र और ग्राम पंचायत बोरदा के अंतर्गत आने वाली प्रमुख कॉलोनियों इंग्लिश विला, आईबीडी कॉलोनी और यूबी सिटी में हालात बेहद खराब हो चुके हैं। कई दिनों से नियमित पानी सप्लाई नहीं होने के कारण लोग बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कोलार और आसपास के इलाकों में तेजी से बढ़ती आबादी और भूजल के अत्यधिक दोहन ने संकट को गहरा दिया है। पानी की आपूर्ति मुख्य रूप से भोजताल, नर्मदा और कोलार बांध से होती है। हैरानी की बात यह है कि कोलार बांध से शहर के कई इलाकों में पानी पहुंच रहा है, लेकिन कोलार रोड के बाहरी हिस्से आज भी टैंकरों और बोरिंग के भरोसे हैं। डी-मार्ट कोलार रोड से कोलार बांध की दूरी करीब 20 किलोमीटर ही है, इसके बावजूद यहां के हजारों परिवार जल संकट झेल रहे हैं। इलाके में सुबह होते ही लोग खाली बाल्टियां और डिब्बे लेकर सड़कों पर टैंकरों का इंतजार करते दिखाई देते हैं। सरकारी सप्लाई ठप होने के कारण पूरा क्षेत्र निजी टैंकरों पर निर्भर हो गया है। महिलाएं टैंकरों से पानी भरकर घर ले जाने को मजबूर हैं।

प्रदेश को मिलेगा पहला स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर

खिलाड़ियों को मिलेगी विश्वस्तरीय चिकित्सा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए बड़ी सौगात के रूप में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में प्रदेश का पहला अत्याधुनिक स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर स्थापित किया जाएगा। इस केंद्र के शुरू होने के बाद खिलाड़ियों को खेल संबंधी चोटों के इलाज, रिकवरी और फिटनेस के लिए अलग-अलग संस्थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्हें एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय चिकित्सा और खेल विज्ञान आधारित सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

केंद्र में खेल चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ फिजियोथेरेपिस्ट, स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स की टीम तैनात रहेगी। यहां खिलाड़ियों को चोटों के उपचार के साथ-साथ फिटनेस मूल्यांकन, खेल पोषण संबंधी मार्गदर्शन और मानसिक मजबूती के लिए परामर्श भी दिया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह सेंटर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वैज्ञानिक तकनीकों और आधुनिक उपचार पद्धतियों के माध्यम से खिलाड़ियों की रिकवरी प्रक्रिया तेज और प्रभावी बनाई जाएगी। वर्तमान में राजधानी के टीटी नगर स्टेडियम में खिलाड़ियों को सीमित स्तर पर स्पोर्ट्स इंजरी उपचार की सुविधा मिलती है, लेकिन नए सेंटर के बनने से सुविधाओं का दायरा काफी बढ़ जाएगा। एम्स भोपाल और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) भोपाल के बीच इस परियोजना को लेकर एमओयू हो चुका है। दोनों संस्थान मिलकर स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर को विकसित कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक आर्थोस्कोपी सेटअप स्थापित नहीं हो पाया है, जिसके कारण गंभीर खेल चोटों के मामलों में खिलाड़ियों को उपचार के लिए दिल्ली रेफर करना पड़ता है। सेंटर के पूर्ण रूप से विकसित होने के बाद यह आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। एम्स भोपाल में खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स इंजुरी सेंटर विकसित किया जा रहा है।

भोपाल दिवस...

भोपाल। शाहिद गेट पर भाजपा नेताओं ने भोपाल दिवस मनाया।

90 के दशक के सदाबहार गीतों से सजी संगीतमय शाम

'सोचेंगे तुम्हें प्यार करें के नहीं...'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गंधर्व कल्चर एंड ईवेंट के तत्वावधान में मिनाल रेसीडेंसी स्थित उन्नति भवन में आयोजित '90 कराओके नाइट म्यूजिकल ईव' में संगीत प्रेमियों ने 90 के दशक के सदाबहार गीतों का भरपूर आनंद लिया। शहर के गायक कलाकारों ने लोकप्रिय फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर माहौल को संगीतमय बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगल गान के साथ हुआ। इसके बाद कराओके नाइट की शुरुआत शीतल सिंह ने 'सोचेंगे तुम्हें प्यार करें के नहीं...' गीत से की। मीता ने 'कोयलिया गाती है...' और जावेद ने 'तुम मिले दिल खिले...' प्रस्तुत कर श्रोताओं की

तालियां बटोरीं। श्रोताओं की फरमाइश पर 90 के दशक से पहले के कई लोकप्रिय गीत भी प्रस्तुत किए गए। राजीव श्रीवास्तव ने 'ऐ मेरी जोहरा जबीं... ', अजीत गौरकर ने 'भरी दुनिया में... ', सुखलाल संगुले ने 'गाड़ी धीरे हांक... ', दीपक पारे ने 'सुहानी चांदनी... ', अनुज ने 'अजी ऐसा मौका... ', आशु ने 'चला जाता हूं किसी की धुन में... ', प्रवीण ने 'मेरे महबूब...' तथा तनु ने 'दम मारो दम...' गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी मौजूद रहे। श्रोताओं ने 90 के दशक के स्वर्णिम दौर के गीतों का आनंद लेते हुए गंधर्व कल्चर एंड ईवेंट के इस प्रयास की सराहना की।

उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजन नियमित रूप से होने चाहिए, ताकि स्थानीय कलाकारों को मंच मिले और शहर में संगीत का सकारात्मक एवं सांस्कृतिक माहौल विकसित हो सके।

जनजातीय संग्रहालय में सजी लोक संस्कृति की सुरमयी शाम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में आयोजित नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि 'संभावना' के अंतर्गत लोक संस्कृति और जनजातीय परंपराओं की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में राजगढ़, नर्मदापुरम, डिंडोरी और सागर से आए कलाकारों ने अपनी लोक कलाओं का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में राजगढ़ के मांगीलाल बड़ेकनिया एवं साथियों ने मालवी लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति दी। कलाकारों ने 'मोर बोले रे पपैया बोले रे... ', 'म्हारा मालवा की धरती म्हाने प्यारी लागे रे...' और 'चटके चुमड़ली चंदा मटके...' जैसे लोकप्रिय गीतों से श्रोताओं को मालवा की लोक संस्कृति से रूबरू कराया। वहीं नमन तिवारी एवं साथियों ने कबीर वाणी पर आधारित गायन प्रस्तुत किया। 'मन लागो मेरो यार फकीरी में... ', 'जोगी मन न रंगाया...' और 'मानत नाहिं मन मोरा साधो...' जैसे भजनों की प्रस्तुति ने वातावरण को आध्यात्मिक रंगों से भर दिया।

कार्यक्रम में डिण्डोरी के जसवंत भार्वे एवं साथियों ने गोण्ड जनजाति की उपजाति ढुलिया का

पारंपरिक गुदुमबाजा नृत्य प्रस्तुत किया। गुदुम, ढफ, मंजीरा, शहनाई और टिमकी जैसे पारंपरिक वाद्यों की थाप पर कलाकारों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। इसके साथ ही सागर के चरण सिंह गोण्ड एवं साथियों ने बुन्देलखंड का प्रसिद्ध सैरा नृत्य प्रस्तुत किया। डंडों की ताल और गोल घेरे में किए गए सामूहिक नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विमोचन के बाद डॉ. साधना बलवटे की पुस्तक पर हुई परिचर्चा

लोकमाता के संपूर्ण जीवन का जीवंत दस्तावेज है अहिल्या रूपेण संस्थिता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अहिल्या रूपेण संस्थिता लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के संपूर्ण जीवन का जीवंत दस्तावेज है। यह कहना है वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय का। वह लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्रदृष्टि पर आधारित लघु नाटिका पुस्तक 'अहिल्या रूपेण संस्थिता' के विमोचन एवं परिचर्चा समारोह में बोल रहे थे। निराला सृजन पीठ की निदेशक एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. साधना बलवटे द्वारा रचित पुस्तक पर यह केंद्रीत था।

विश्वसंवाद केंद्र में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. लोकेंद्र सिंह के मुख्य अतिथ्य में यह कार्यक्रम विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष लाजपत आहूजा की अध्यक्षता में किया गया था। जहां बतौर मुख्य वक्ता श्री उपाध्याय ने कहा कि 'अहिल्या रूपेण संस्थिता' में उनके संघर्ष, प्रशासनिक कौशल, सामाजिक सुधार, धर्म, संस्कृति और राष्ट्रचेतना के विविध आयामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने इस नाटक के अधिकाधिक मंचन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि दृश्य माध्यमों के जरिए आज की युवा पीढ़ी तक ऐसे आदर्श चरित्रों को प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है। उनका कहना था कि भारतीय इतिहास लेखन में अनेक बार आक्रांताओं को महिमामंडित किया गया, जबकि भारतीय जीवन मूल्यों को जीने वाले शासकों और नायकों को अपेक्षित स्थान नहीं मिला। उन्होंने अहिल्याबाई के जीवन को लोककल्याण, न्याय, मातृत्व और उत्तरदायी शासन का अनुपम उदाहरण बताया है।

वहीं मुख्य अतिथि डॉ. लोकेंद्र सिंह ने कहा कि सनातन संस्कृति में मानव धर्म को सर्वोच्च माना गया है और मानवता की स्थापना ही धर्म की स्थापना है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी संक्षिप्त माध्यमों से अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहती है, ऐसे में 'अहिल्या रूपेण संस्थिता' जैसी पुस्तकें उनके लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होंगी। उन्होंने कहा कि यह कृति केवल एक नाटक नहीं, बल्कि लोकमाता के विराट जीवन-दर्शन का सार प्रस्तुत करती है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री आहूजा ने भारतीय परंपरा और पाश्चात्य 'ट्रेडिशन' के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारतीय परंपरा केवल हस्तांतरण नहीं, बल्कि सतत संवर्धन और श्रेष्ठता के साथ आगे बढ़ने की प्रक्रिया है। डॉ. साधना बलवटे की यह कृति इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

महामृत्युंजय मंदिर में चल रहा श्रीमद्भागवत सप्ताह

भगवान अधर्म के विनाश के लिए अवतार लेते हैं : साध्वी मंजरी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

लालघाटी स्थित विजय नगर के महामृत्युंजय मंदिर में चल रहे श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के चौथे दिन श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं नंद उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।

श्रीकृष्ण जन्म की मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा वाचिका साध्वी मंजरी प्रिया ने श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धर्म की स्थापना व अधर्म के विनाश के लिए अवतार लेते हैं। श्रीकृष्ण जन्म की झांकी में वासुदेव की भूमिका आनंद सबधाणी ने निभाई, जबकि नंद-यशोदा के रूप में मनोज वर्मा व बबीता वर्मा ने आकर्षक प्रस्तुति दी। जैसे ही श्रीकृष्ण के जन्म की झांकी सामने आई, मंदिर परिसर 'नंद घर आनंद भयो...' के जयघोष से गूंज उठा।

कथा हर समस्या का समाधान: सबनानी

मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि दुनिया की हर समस्या और जटिल परिस्थिति का समाधान भागवत कथा में निहित है। समिति के उपाध्यक्ष नंदलाल मोतियानी ने बताया कि यह ज्ञानयज्ञ सबधाणी परिवार द्वारा उनके ज्येष्ठ पुत्र स्वर्गीय कन्हैयालाल सबधाणी की प्रथम पुण्यतिथि की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में अशोक गुप्ता, नानक परवानी, कैलाश शर्मा, कमल प्रेमचंदानी, अशोक टिलवानी, सरला नागदेव, विनोद थावानी, सुंदर किशनानी, नंद बाबानी, नंदलाल मोतियानी, डब्ल्यू पेंटर आदि उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

भरतनाट्यम आधारित नृत्य नाटिका 'नर्मदे हर हर' ने दर्शकों को भावविभोर किया

निमाड़ी लोकगीतों से सराबोर हुआ सदानीरा समागम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सदानीरा समागम निमाड़ी लोकगीतों से सराबोर हुआ। आयोजन के पांचवें दिन चले सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में इसके अलावा विश्वप्रसिद्ध बैले नाट्य प्रस्तुति 'स्वान लेक' और भरतनाट्यम आधारित नृत्य नाटिका 'नर्मदे हर हर' ने दर्शकों को भावविभोर किया। भारत भवन में यह कार्यक्रम वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में पूर्वरंग मंच पर सुप्रसिद्ध निमाड़ी लोकगायिका मनीषा शास्त्री एवं उनके दल ने निमाड़ अंचल की समृद्ध लोक परंपराओं से जुड़े गीतों की मनोहारी प्रस्तुति दी। लोकधुनों और पारंपरिक गायन के माध्यम से कलाकारों ने जल संरक्षण तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया। दर्शकों ने प्रस्तुति की मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर वीर भारत न्यास

के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने कलाकारों का उत्साहवर्धन भी किया। सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत देश के प्रख्यात भरतनाट्यम कलाकार वैभव आरेकर ने अपनी एकल प्रस्तुति 'नर्मदे हर हर' प्रस्तुत दी। अपनी गहन, शांत और भावप्रधान शैली के लिए प्रसिद्ध आरेकर ने नर्मदा नदी की आध्यात्मिक महिमा, सांस्कृतिक विरासत और जीवनदायिनी स्वरूप को शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। दर्शकों ने इस प्रस्तुति को विशेष रूप से सराहा।

विश्वप्रसिद्ध बैले स्वान लेक ने बांधा समां... भारत भवन के अंतरंग सभागार में विश्वप्रसिद्ध बैले नाट्य प्रस्तुति 'स्वान लेक' का मंचन हुआ। द इंपीरियल फर्नांडो बैले कंपनी द्वारा प्रस्तुत इस कालजयी कृति ने प्रेम, त्याग, विश्वास और जादू की भावनाओं को मंच पर जीवंत कर दिया। मारियस पेटीपा की इस मूल रचना को फर्नांडो अगुइलेरा ने नए स्वरूप में प्रस्तुत किया। निर्देशन फर्नांडो अगुइलेरा और रफी खान ने किया, जबकि संगीत महान रूसी संगीतकार प्योत्र इलाइची टचैकोवस्की का था।

किसान लाइन में, व्यवस्था वेंटिलेटर पर : तिवारी

भोपाल। प्रदेश की गेहूं खरीदी व्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने मोहन सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार के रिकॉर्ड खरीदी और किसान हितैषी दावों के बावजूद जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है। खरीदी केंद्र किसानों के लिए राहत के बजाय अव्यवस्था और परेशानी का केंद्र बन गए हैं। उन्होंने कहा कि भीषड़ गर्मी में स्लॉट प्रणाली में अनियमितता, सर्वर की बार-बार तकनीकी खराबी, धीमी तौल प्रक्रिया और बारदाने की कमी ने पूरी खरीदी व्यवस्था को प्रभावित कर दिया है। इसके कारण किसानों को घंटों नहीं, बल्कि कई-कई दिनों तक लंबी कतारों में खड़े होकर इंतजार करना पड़ रहा है। तिवारी ने कहा किसान हितैषी होने का झूठा करने वाली मोहन सरकार में किसान लाइन में खड़ा है और व्यवस्था वेंटिलेटर पर है।

देवी अहिल्याबाई ने सदियों पहले रखी राष्ट्र जागरण की नींव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के गांधी हाल में पुण्य श्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जन्म जयंती उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। भव्य जयंती समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी अहिल्याबाई को सुशासन, लोकसेवा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अद्वितीय प्रतिमूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि लोकमाता का शासन-प्रशासन हम सबको राम राज्य की याद दिलाता है। उस समय की बड़ी-बड़ी राजसत्ताओं के सामने देवी अहिल्याबाई ने अपने राज कौशल से सुशासन के नए प्रतिमान गढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारा भारत जिस नए सांस्कृतिक और धार्मिक जनजागरण का साक्षी बन रहा है, उसकी नींव लोकमाता ने लगभग तीन शताब्दी पहले ही रख दी थी।

लोकमाता ने देशभर में किया मंदिरों को जीर्णोद्धार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर ने न केवल एक कुशल शासक के रूप में, वरन् धर्म, समाज और संस्कृति की ममतामयी संरक्षक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने देशभर में अनेक मंदिरों और तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार कर भारतीय आस्था और सनातन संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने आस्था और अर्चना के प्रतीक हमारे मंदिरों की पुनर्स्थापना कर धर्म की रक्षा की तथा लोककल्याण को शासन का मूल आधार बनाया। उन्होंने भारतीयों को आत्मसम्मान के साथ जीना और इसके लिए लड़ना भी सिखाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इंदौर की दो विभूतियों म.प्र. उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति श्री आनंद सिंह बहरावत और न्यायमूर्ति श्री हिमांशु जोशी को अहिल्या गौरव सम्मान से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने यहां फोटो प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कार वितरित किए।

जीतू पटवारी के लिए ये क्या बोल बैठे मुख्यमंत्री जी...?

त्वरित टिप्पणी

राजेश सिरोठिया

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर जो व्यक्तिगत टीका टिप्पणियां की हैं , वह स्वस्थ लोकतंत्र के दायरों और उसके तकाजों की भाषा तो कतई नहीं है। भाजपा का कोई और नेता इस तरह के संबोधनों का इस्तेमाल करे तो समझा जा सकता है, लेकिन मुख्यमंत्री पद पर आसीन नेता को अपने विरोधी पर इस तरह की भाषा के प्रयोग को कमर के नीचे वाले वार की श्रेणी में ही रखा जा सकता है। मुख्यमंत्री के इस बयान को लेकर पूरी कांग्रेस में बवाल मचा है। जो कांग्रेस अभी तक बिखरी-बिखरी नजर आ रही थी , उसे महज एक बयान ने एकजुट कर दिया है। एक मंच पर लाकर खड़ा कर दिया है।

ओहदा प्रधानमंत्री का हो या मुख्यमंत्री का दोनों केंद्र और राज्य की सत्ता के शीर्ष मुकाम होते हैं ,जो आलोचना में संयम की मांग करते हैं। विपक्ष यदि उन पर इसी तरह का हमला करता है तो उसे जनता के कोप का भागीदार बनना पड़ता है। जरा याद कीजिए नरेंद्र मोदी को ..। गुजरात का मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद से ही कांग्रेस ने उन पर जो कमर के नीचे वार करने वाले हमले किए, उनका क्या हश्र हुआ। घटिया आरोप कांग्रेस ने लगाए तो जवाब मोदी जी ने नहीं बल्कि जनता ने दिए। लगातार दिए। फिर प्रधानमंत्री रहते हुए भी नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस और खासतौर से राहुल गांधी जिस तरह की भाषा शैली का इस्तेमाल कर रहे हैं, उसका क्या सिला कांग्रेस को मिल रहा है,यह किसी से छुपा नहीं हैं। मोदी के खिलाफ जिस तरह की शब्दावली का उपयोग कांग्रेस के आला नेता यानी सोनिया गांधी, राहुल गांधी से लेकर मणिशंकर अय्यर तक करते आए हैं, उन्हें दोहराने की जरूरत कतई नहीं हैं। उनके बयानों का उल्टा भाजपा को ही फायदा हुआ, यह भी किसी से छुपा नहीं हैं। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक के इस सफरनामे पर मोदी ने या तो ऐसे आरोपों पर चुप्पी साधे रखी या कभी कभार जवाब दिया भी

तो भाषा बेहद संयम के भाव लिए थी। लेकिन उस संयमित भाषा में भी इतना पैनापन था कि विपक्ष तिलमिला उठा। ज्यादातर मौकों पर उनकी तरफ से भाजपा के दूसरे नेताओं ने मोर्चा संभालते हुए पलटवार किए । मुख्यमंत्री रहने के दौरान आलोचना होने पर कांग्रेसी मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कहा करते थे कि किसी भी मुख्यमंत्री को आलोचना सहने के लिए मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए।

इसके ठीक विपरीत शुजालपुर में रविवार को क्या हुआ? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी उन्हें लगातार अभिनंदन लाल कहते आ रहे हैं। वे यह कटाक्ष इसलिए करते आए हैं क्योंकि मोहन यादव अपनी सभाओं के दौरान सहज भाव में ही सही सरकार की कोई उपलब्धि गिनाते हुए अक्सर उपस्थित लोगों से पूछते हैं कि क्या उनकी सरकार ने यह अच्छा किया? फिर वह अपनी ही शैली में कहते रहे हैं कि यदि अच्छा काम किया है तो जोरदार अभिनन्दन करो, बजाओ ताली...। मोहन यादव के इस सहज अंदाज में ताली बजवाने पर जीतू की टिप्पणी भी सहज ही थी। लेकिन मोहन यादव ने इसका जो जवाब दिया उससे सभी हैरान हैं। उन्होंने कहा कि यदि वो अभिनंदनलाल हैं तो जीतू पटवारी टपोरीलाल है। दो कौड़ी के प्रदेशाध्यक्ष है। वे इंदौर में खुद 40 हजार वोटों से हार गए । अपने वार्ड में भी हारे। उनके अध्यक्ष रहते इंदौर में लोकसभा का कांग्रेस प्रत्याशी मैदान छोड़कर चला गया। उन्हें प्रदेश में विकास के काम नहीं दिखते? सिर्फ हर बात का विरोध करना है। प्रदेश के विकास से उनकी छाती पर सांप लोट रहे हैं।

जीत किसी भी नेता की योग्यता, संघर्ष और जनस्वीकार्यता का अंतिम पैमाना नहीं: नायक

मुकेश नायक का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के संबंध में सार्वजनिक मंच से अमर्यादित टिप्पणी की है। यह न केवल एक विपक्षी नेता का अपमान है, बल्कि यह किसानों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मध्य प्रदेश की स्वस्थ राजनीतिक परंपराओं का भी अपमान है। श्री मुकेश नायक ने कहा कि चुनावी हार-जीत किसी भी नेता की योग्यता, संघर्ष और जनस्वीकार्यता का अंतिम पैमाना नहीं हो सकती। यदि यही कसौटी मानी जाए तो भाजपा को भी अपने अनेक वरिष्ठ नेताओं के राजनीतिक योगदान पर प्रश्न उठाने पड़ेंगे। क्या पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी चुनाव नहीं हारे? क्या लालकृष्ण आडवाणी चुनाव नहीं हारे? भारतीय राजनीति में अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहाँ नेताओं ने चुनावी पराजय का सामना किया, लेकिन बाद में जनता के बीच और अधिक सम्मान तथा स्वीकार्यता प्राप्त की। सुंदरलाल पटवा, कैलाश जोशी, बाबूलाल गौर जैसे वरिष्ठ नेताओं ने वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में राजनीति की, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने राजनीतिक विरोधियों के लिए इस प्रकार की अवमाननापूर्ण भाषा का प्रयोग नहीं किया। राजनीतिक मतभेद और वैचारिक संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन व्यक्तिगत अपमान और अवमानना कभी भी प्रदेश की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा नहीं रहे। राजनीति में हार और जीत दोनों स्थायी नहीं होतीं। मुख्यमंत्री जी बार-बार चुनावी जीत और हार का उल्लेख कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता अंतिम निर्णायक होती है। निकट भविष्य में उन्हें भी हार का स्वाद चखना पड़ सकता है। इसलिए सत्ता के अहंकार में लोकतांत्रिक मर्यादाओं को भूलना किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए उचित नहीं है।

मुख्यमंत्री के इस उवाच पर पूरी कांग्रेस में जबरदस्त हलचल है। विरोध के स्वर बुलंद हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री **अरूण यादव** से लेकर **नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार** और प्रदेश कांग्रेस के मीडिया उपाध्यक्ष मुकेश नायक से लेकर कांग्रेस के मझौले नेता से लेकर छोटे कार्यकर्ता उबल पड़े हैं। उमंग सिंघार ने कहा है कि मुख्यमंत्री जैसे पद पर रहते हुए यादव की भाषा मर्यादा के दायरों को लांघने वाली है।आशीष तिवारी ने भी मोहन यादव को किसान विरोधी करार देते हुए कहा कि वे भले ही बढ़चढ़कर दावे करें लेकिन सूबे का किसान परेशान है।

पदोन्नति नियम- 2025

खत्म होगा 10 साल का लंबा इंतजार! हाई कोर्ट अगले सप्ताह सुना सकता है अहम फैसला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। पदोन्नति नियम- 2025 को लेकर हाई कोर्ट जबलपुर अगले सप्ताह निर्णय सुना सकता है। मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने इसी वर्ष 17 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि 90 दिन से अधिक समय तक फैसला सुरक्षित नहीं रखा जाना चाहिए।

उधर, निर्णय नहीं आने के कारण प्रदेश में न तो नियुक्तियों की प्रक्रिया आगे बढ़ पा रही है और न ही पदोन्नतियां हो रही हैं। उल्लेखनीय है कि 2016 में उच्च न्यायालय द्वारा पदोन्नति में आरक्षण संबंधी 2002 का नियम निरस्त किए जाने के बाद पदोन्नतियां बंद हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पदोन्नति को लेकर सभी तैयारियां हो चुकी हैं।

2025 के नियमों के अनुरूप पद चिह्नित कर लिए गए हैं तो विभागीय पदोन्नति समितियां भी बन चुकी हैं। अब बस प्रतीक्षा हाई कोर्ट के निर्णय की है। 17 फरवरी को सुनवाई की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हम न्यायालय के समक्ष सभी तथ्य रख चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्णय सुरक्षित रखे जाने के 90 दिन के भीतर सुनाने की बात कही है। इस आधार पर पूरी संभावना है कि अगले सप्ताह निर्णय सुना दिया जाएगा।इस समिति में 2024 की बैच की अधिकारी को भी शामिल किया गया है जबकि निर्णय वरिष्ठ इंजीनियरों को लेकर होना है।

फिर शुरू हुई उच्च पद का प्रभार देने की व्यवस्था

उधर, पदोन्नति नियम लागू होने की संभावना के आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को उच्च पद का प्रभार नहीं देने के निर्देश दिए थे। यह मामला भी हाई कोर्ट पहुंचा और निर्देश दिए गए कि पात्रों को उच्च पद का प्रभार दिया जाना चाहिए। इस पर पुलिस मुख्यालय ने उच्च पद का प्रभार देने की व्यवस्था को फिर लागू कर दिया। सभी कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वरिष्ठता के अनुसार उच्च पदों का कार्यवाहक प्रभार दिया जाए। पदोन्नति नियम को लेकर निर्णय कभी भी सुनाया जा सकता है और लोक निर्माण विभाग ने उच्च पद का प्रभार देने के लिए मुख्य अभियंता संजय खांडे की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय समिति बना दी है।

स्वच्छता के लिए देशभर में मशहूर इंदौर का नवाचार

जलूद में 60 मेगावाट सोलर पावर प्लांट शुरू, हर महीने बच रहे पांच करोड़ रुपये

इंदौर, दोपहर मेट्रो

स्वच्छता के लिए देशभर में पहचाने जाने वाला हमारा इंदौर स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी तेजी से कदम बढ़ा रहा है। शहर की 28 हजार से ज्यादा छतों पर रूफटाप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। हाल ही में 29 अप्रैल 2026 को इंदौर नगर निगम के जलूद में स्थापित 60 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया है। इस प्लांट से इंदौर नगर निगम को हर माह करीब पांच करोड़ रुपये की बचत होगी। लगभग 220 एकड़ क्षेत्र में फैला जलूद सोलर प्लांट हर माह 80 से 90 लाख यूनिट बिजली उत्पादन कर रहा है। इंदौर नगर निगम जलूद से नर्मदा जल पंपिंग कर इंदौर पहुंचाता है। इस काम में प्रतिमाह करीब 25 करोड़ रुपये बिजली खर्च आता है। जलूद में स्थापित सोलर प्लांट हर माह करीब पांच करोड़ की बिजली उत्पादन करेगा। मतलब साफ है कि जलूद से पानी इंदौर लाने पर होने वाले बिजली खर्च में सीधी पांच करोड़ की बचत होगी। जलूद सोलर प्लांट पर लगभग 271 करोड़ रुपये की लागत आई है।

लोकार्पण से पहले ही शुरू हो गई थी बचत

जलूद सोलर प्लांट के लोकार्पण से पहले ही नगर निगम के बिजली खर्च में कमी आने लगी थी। संयंत्र ट्रायल के समय से ही पूरी क्षमता से बिजली उत्पादन कर रहा है। इसका लोकार्पण भले ही 29 अप्रैल 2026 को हुआ, लेकिन ट्रायल के एक माह में यह करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की बिजली उत्पादित कर चुका था।

मप्र के शिक्षकों के लिए नया नियम

भोपाल। प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का ग्रीष्मावकाश सात जून को समाप्त हो रहा है। वहीं ग्रीष्मावकाश के दौरान जनगणना, निर्वाचन और अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए समय-समय पर शिक्षकों की ड्यूटी निर्धारित की गई थी। इसका अर्जित अवकाश तभी शिक्षकों को मिलेगा, जब वे ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराए होंगे। इस व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने नया निर्देश जारी किया है। डीपीआई द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ग्रीष्मावकाश के दौरान ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि संबंधित शिक्षक हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से अपने ड्यूटी स्थल पर उपस्थिति दर्ज करें।

कॉलोनी का भी होगा 'आधार कार्ड'

स्कैन कर पता कर सकेंगे वैध है या अवैध, एक कानून के तहत डेलवप होंगी कॉलोनियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलोनी विकसित करने के लिए अब एक समान कानून लागू किया जाएगा। अभी अलग-अलग व्यवस्थाओं की वजह से कई कॉलोनाइजर ग्रामीण सीमा में अवैध कॉलोनियां काट देते हैं। नए कानून में हर कॉलोनी का यूनिक आईडी नंबर होगा और सिर्फ रजिस्ट्री कराने से मकान वैध नहीं माना जाएगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने एकीकृत कॉलोनाइजर एक्ट 2026 का ड्राफ्ट फाइनल कर लिया है। इसे कैबिनेट की मंजूरी के बाद मानसून सत्र में विधानसभा में पेश किया जाएगा। नए कानून में पूरे प्रदेश के लिए एक लाइसेंस व्यवस्था, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और कलेक्टरों की जवाबदेही जैसे प्रावधान हैं।

एक प्रदेश, एक लाइसेंस- कॉलोनाइजरों को हर निकाय से अलग-अलग अनुमति नहीं लेनी होगी। पूरे प्रदेश के लिए एक लाइसेंस सिस्टम होगा, जिससे सरकार राज्य स्तर पर निगरानी कर सकेगी।

ऑनलाइन मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग- हर स्वीकृत कॉलोनी का डिजिटल रिकॉर्ड, नक्शा और डेवलपमेंट स्टेटस ऑनलाइन उपलब्ध होगा। खरीदार घर बैठे देख सकेंगे कि जहां निवेश कर रहे हैं, वह वैध है या नहीं।

रजिस्ट्री और ले-आउट का लिंक- बिना अनुमोदित ले-आउट वाले प्लॉट की रजिस्ट्री मुश्किल होगी। राजस्व और नगर विकास विभाग का डेटा लिंक किया जाएगा।

कृषि भूमि का संरक्षण- खेती की जमीन को छोटे टुकड़ों में बेचने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी। इसके लिए डायवर्जन और ले-आउट मंजूरी अनिवार्य की जा रही है।

बुनियादी सुविधाओं की गारंटी- कॉलोनाइजर को सड़क, नाली, बिजली, पानी, सीवर और पार्क विकसित करना अनिवार्य होगा। काम अधूरा छोड़ने पर बैंक गारंटी जब्त कर सरकार विकास कार्य कराएगी।

नए कानून को लागू और रेगुलेट करने के लिए कई स्तरों पर अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।जिला कलेक्टर को सबसे मजबूत भूमिका रहेगी। उनके पास अवैध कॉलोनी की जांच, निर्माण/प्लॉटिंग रोकने, भूमि रिकॉर्ड की राजस्व जांच, ध्वस्तीकरण कार्रवाई की मंजूरी और स्वृद्धक्र दर्ज कराने के अधिकार होंगे। वे 45 दिन में कार्रवाई की मॉनिटरिंग भी करेंगे।

भाजपा सरकार में व्यवस्था वेंटिलेटर पर: आशीष तिवारी

गेहूं खरीदी व्यवस्था पर उठते सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश की गेहूं खरीदी व्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने मोहन सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार के रिकॉर्ड खरीदी और किसान हितैषी दावों के बावजूद जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है। खरीदी केंद्र किसानों के लिए राहत के बजाय अव्यवस्था और परेशानी का केंद्र बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि भीषड़ गर्मी में स्लॉट प्रणाली में अनियमितता, सर्वर की बार-बार तकनीकी खराबी, धीमी तौल प्रक्रिया और बारदाने की कमी ने पूरी खरीदी व्यवस्था को प्रभावित कर दिया है। इसके कारण किसानों को घंटों नहीं, बल्कि कई-कई दिनों तक लंबी कतारों में खड़े होकर इंतजार करना पड़ रहा है।

तिवारी ने कहा किसानहितैषी होने का झूठा करने वाली मोहन सरकार में किसान लाइन में खड़ा है और व्यवस्था वेंटिलेटर पर है।उन्होंने कहा कि सरकार को तत्काल प्रभाव से खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करते हुए अंतिम तिथि में वृद्धि करना चाहिए अन्यथा कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक जनहित में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी ।

मेट्रो एंकर

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब भी सस्पेंस, 16 जून से खुलने हैं स्कूल

यूनिफार्म मिलेगी या खाते में आएगी राशि, अब तक नहीं हुआ फैसला

इंदौर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू होने के बावजूद विद्यार्थियों की गणवेश यानि युनिफॉर्म को लेकर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है। स्कूल शिक्षा विभाग और शासन स्तर पर यह तय नहीं हो पाया है कि इस वर्ष विद्यार्थियों को सिली-सिलाई गणवेश उपलब्ध कराई जाएगी या फिर पहले की तरह उनके खातों में राशि भेजी जाएगी।

ऐसे में 16 जून से स्कूल खुलने पर लाखों छात्र-छात्राएं निर्धारित गणवेश के बजाय अलग-अलग रंगों के कपड़ों में स्कूल पहुंच सकते हैं। सबसे अधिक परेशानी नर्सरी और पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाले बच्चों को होगी, क्योंकि उनके पास पिछले वर्षों की गणवेश भी उपलब्ध नहीं है।- शासन के निर्देश पर इस वर्ष कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को सीधे तैयार गणवेश उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए विद्यार्थियों के खातों में राशि भेजने की व्यवस्था समाप्त करने पर विचार किया गया था। हालांकि, गणवेश निर्माण और वितरण के लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में समय पर गणवेश उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

अब तक 600 रुपये मिलती रही राशि

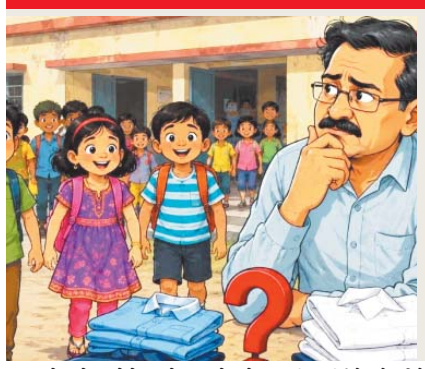

वर्तमान व्यवस्था के तहत सरकार प्रत्येक विद्यार्थी को दो जोड़ी गणवेश खरीदने के लिए 600 रुपये सीधे बैंक खाते में भेजती रही है। लेकिन कई बार यह राशि भी सत्र के अंतिम चरण में पहुंचती थी, जिससे विद्यार्थियों को पूरे साल बिना गणवेश के पढ़ाई करनी पड़ती थी। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली से आठवीं तक करीब 65 से 66 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। प्रत्येक विद्यार्थी पर औसतन 600 रुपये की गणवेश सहायता के आधार पर सरकार हर वर्ष लगभग 390 करोड़ रुपये खर्च करती है।

पहले भी विवादों में रही है व्यवस्था

- वर्ष 2020 में जिम्मेदारी स्व-सहायता समूहों को दी गई थी।
- समय पर गणवेश वितरण नहीं हो सका था।
- कोविड काल में शिक्षकों को घर-घर जाकर गणवेश पहुंचानी पड़ी थी।
- कई विद्यार्थियों को सही आकार की गणवेश नहीं मिल पाई थी।
- वर्ष 2023-24 और 2024-25 में भी वितरण प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो सकी।
- इन्हीं समस्याओं के कारण सरकार ने राशि हस्तांतरण का विकल्प अपनाया था, लेकिन अब फिर से तैयार गणवेश वितरण व्यवस्था लागू करने पर विचार किया जा रहा है।

पुलिस की मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ मुहिम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशन में मध्यप्रदेश को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा नशे के कारोबार के विरुद्ध लगातार कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही हैं। इसी क्रम में मंदसौर पुलिस ने सुनियोजित कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का पर्दाफाश कर 20 किलोग्राम अवैध ब्राउन शुगर (स्मैक) अनुमानित कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये, 02 चार पहिया वाहन, 7 मोबाइल फोन एवं 7 हजार 700 रुपए नगद सहित लगभग 20 करोड़ 35 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी की तलाश जारी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मंदसौर श्री विनोद कुमार मीना के निर्देशन में गठित विशेष पुलिस टीम द्वारा की गई।

मुकदमों का बोझ

अदालतों में टंगी हुई फाइलें केवल कागजों का ढेर नहीं होतीं, वे किसी की उम्मीद, किसी का संघर्ष और किसी के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण इंतजार होती हैं। लेकिन जब यह इंतजार महीनों से वर्षों में बदल जाए, तब न्याय का अर्थ भी धुंधला पड़ने लगता है। आखिर एक ऐसा फैसला, जो समय पर न पहुंचे, क्या वह सचमुच न्याय कहलाने का अधिकार रखता है? भारतीय न्याय व्यवस्था लंबे समय से इसी सवाल से जूझ रही है। अदालतों में मुकदमों का बोझ, लंबित मामलों की बढ़ती संख्या और सुरक्षित रखे गए निर्णयों में होने वाली देरी ने आम नागरिक के विश्वास को कई बार झकझोरा है। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उच्च न्यायालयों को समयबद्ध फैसलों के निर्देश देना केवल प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि न्याय की आत्मा को बचाने की कोशिश प्रतीत होता है। न्याय का मूल उद्देश्य केवल सही निर्णय देना नहीं, बल्कि उसे सही समय पर देना भी है। एक किसान की जमीन का विवाद, किसी कर्मचारी का सेवा संबंधी मामला, किसी परिवार का संपत्ति विवाद या किसी आरोपी की जमानत याचिका- हर मुकदमे के पीछे एक वास्तविक जीवन सांस लेता है। जब निर्णय अनिश्चित काल तक सुरक्षित रख दिए जाते हैं, तो अदालत के बाहर खड़ा व्यक्ति केवल कानून से नहीं, समय से भी हारने लगता है। सबसे संवेदनशील विषय व्यक्तिगत स्वतंत्रता का है। किसी व्यक्ति की आजादी संविधान द्वारा प्रदत्त सबसे मूल्यवान अधिकारों में से एक है। यदि जमानत याचिका पर सुनवाई हो जाए, लेकिन आदेश आने में अनावश्यक देरी हो, तो यह केवल प्रक्रियागत विलंब नहीं, बल्कि एक नागरिक के मौलिक अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव है। यही कारण है कि जमानत मामलों में त्वरित आदेश की आवश्यकता केवल न्यायिक दक्षता का प्रश्न नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी भी है। सर्वोच्च न्यायालय ने जिस चिंता को रेखांकित किया है, वह वर्षों से आम लोगों की पीड़ा रही है। अदालतों के निर्णय केवल न्यायालय कक्षों में नहीं गूंजते, उनका प्रभाव समाज के हर वर्ग तक पहुंचता है। जब न्याय देर से मिलता है, तो विवाद बढ़ते हैं, अविश्वास गहराता है और व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। हालांकि निर्देशों से बदलाव का रास्ता खुलता है, लेकिन वास्तविक सुधार तभी संभव होगा जब न्यायिक ढांचे को पर्याप्त संसाधन, तकनीकी सहायता और मानवबल उपलब्ध कराया जाए।

भारतीय इतिहास का बोध और उसे मंशा के अनुसार बदलने के प्रयास

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस के पूर्व अध्यक्ष

अभी तक भारतीय इतिहास बोध को अपनी मंशा के अनुसार बदलने की कोशिशें चल रही थीं, अब देवी-देवताओं पर भी हमले हो रहे हैं। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने मोहनजोदड़ो से प्राप्त 4300 वर्ष पुरानी पशुपति मुहर और मूलबंधासन योग मुद्रा में बैठी आकृति को शिव का रूप बताते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक बताया है। एक इतिहासकार आद्रे ने इस दावे को खारिज कर दिया है और कहा है कि यह आकृति शिव की नहीं है। यह पश्चिमी संस्कृति और यूरेशियाई पशुओं के देवता से प्रभावित है। इसके पहले भी ऐसे लोग सिंधु सभ्यता पर बाहरी प्रभावों का जिक्र करते रहे हैं।

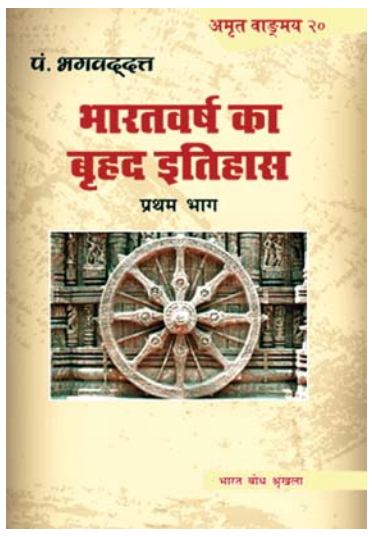

दरअसल, 1922 में मोहनजोदड़ो में खुदाई के दौरान एएसआई के महानिदेशक मार्शल ने इसे शिव का रूप बताया था। उन्होंने अपनी किताब में भी शिव का प्रारंभिक रूप बताया है। लेखक अमीश ने मुहर पर अंकित जानवरों को विदेशी नहीं बताया। वे भारत में पाए जाते हैं।

दक्षिणी पश्चिमी ईरान में भी यह पशु प्राकृतिक रूप में नहीं पाए जाते। डॉ. एल. वेमसानी का तर्क ध्यान देने योग्य है। पशुपति मुहर में आकृति योग मुद्रा में है। पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा बहुत पहले से ही भारतीय इतिहास को विकृत किया जाता रहा है। वामपंथी इतिहासकारों ने हम भारत के निवासियों को बाहर से आया हमलावर बताया था लेकिन यह झूठ पकड़ा गया। वे सिद्ध करना चाहते थे कि भारतीय ज्ञान, देवता और सभ्यता उधार के हैं। जबकि भारत में ऋग्वैदिक काल और उसके बहुत पहले से सांस्कृतिक निरंतरता है। आर्य आक्रमण का झूठ लोग जान गए हैं। शिव भारत के देवता ही हैं। यजुर्वेद का एक पूरा अध्याय शिव पर है। अब आर्य आक्रमण की बात करने वाले खिसियाए हुए हैं। संस्कृति मंत्रालय ने एक ट्वीट में लिखा है कि, 'भारत के अखंड और निरंतर चली आ रही सभ्यता की यह सबसे शक्तिशाली प्रतीकों में से एक है। अविभाजित भारत के मोहनजोदड़ो में मिली यह लगभग 4300 साल पुरानी मुहर एक योग मुद्रा में बैठे व्यक्ति को दिखाती है, जिसे व्यापक रूप से शिव पशुपति माना जाता है। यह आकृति मूलबंधासन में बैठी दिखाई देती है और उसके चारों ओर कई जानवर बने हुए हैं। '

इतिहास की वैज्ञानिक समझ से वर्तमान को बदलना मार्क्सवादी लक्ष्य था, उन्होंने वर्तमान की निजी जरूरतों के मुताबिक इतिहास बदला। यही काम अंग्रेजों ने किया। उन्होंने अंग्रेजी राज को जायज ठहराने के लिए भारत का नया इतिहास लिखाया। इतिहास से सीखकर वर्तमान बदलना अच्छा विचार है लेकिन अपनी आवश्यकतानुसार इतिहास बदलना महापाप है। इतिहास ने उन्हें दंडित किया। मार्क्सवादी इतिहास शेष रहे, लेकिन दोनों के विषाणु भारत में आज भी मौजूद हैं। भारत पर अंग्रेजी शासन के लिए भाषा, इतिहास, सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान जरूरी था। बेशक पश्चिमी विद्वानों ने मेहनत की। पश्चिम की संस्कृति का मूलाधार यूनान था लेकिन विलियम जोंस ने थर्ड एनुअल डिसकोर्स एशियाटिक रिसर्चेज में कहा, 'यूनानी दार्शनिक पाइथागोरस और प्लेटो के उत्कृष्ट अनुभव प्राचीन भारतीय ऋषियों के अनुरूप थे। हिन्दू कला व शौर्य में विलक्षण थे। प्रशासन में सुयोग्य, विधि निर्माण में बुद्धिमान और ज्ञान में प्रवीण थे। डेविड कोफ जैसे विद्वानों को भारतीय समाज वैदिक आदर्शों से भटका हुआ लगा। वैदिक काल में मूर्ति पूजा नहीं थी। ' यह अध्ययन ईसाई मिशनरियों के लिए खतरनाक था। उनकी नजर में शासन के लिए अंग्रेजी और परमात्मा के मार्ग के लिए प्रभु ईशु ही विकल्प थे। इस चुनौती से जूझे एक अंग्रेज जेएस मिल। जेएस मिल ने 'हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इंडिया' लिखकर भारत के सनातन ज्ञान पर हल्ला बोला। इतिहास में उन्हें 'उपयोगितावादी चिंतक' की सही संज्ञा मिली।

कांग्रेसजनों और मार्क्सवादियों का उपयोगितावाद विचारणीय है। बच्चे पढ़ें कि आर्यों ने ईरान के रास्ते आकर हड़प्पा सभ्यता नष्ट की। किले तोड़े। वे चरवाहे और लुटेरे थे। मोहन जोदड़ो और हड़प्पावासी सभ्य थे। हड़प्पा सभ्यता का पतन दरअसल 1750 ई. पूर्व के आसपास हुआ। कालीबंगा की खुदाई से मिले तथ्यों में यही समय सरस्वती के सूखने का भी है। ऋग्वेद में सरस्वती भरी पूरी वेगवती आराध्य नदी है। ऋग्वेद के बाद रचे गए यजुर्वेद में भी सरस्वती पूरे यौवन और उफान पर है। ऋग्वेद, यजुर्वेद के बाद सरस्वती सूखी और हड़प्पा सभ्यता का ह्रास हुआ। सरस्वती समय विभाजक रेखा है। उसे पार करके ही आर्य आक्रमण के झूठ का प्रचार संभव है। ऋग्वेद हड़प्पा सभ्यता से पुराना है। मिस्त्र और सुमेर की सभ्यता से भी प्राचीन। दयाराम साहनी व आर. के. बनर्जी ने हड़प्पा और मोहनजोदड़ो नामक दो प्राचीन नगरों की खोज (1921-22) की। हड़प्पा रावी तट पर था, मोहनजोदड़ो सिध पर। राम प्रसाद चंद ने आर्यों को हड़प्पा सभ्यता के नाश का अभियुक्त ठहराया। चंद ने ऋग्वेद का सहारा लिया। उन्होंने 'पणि' को इन नगरों का मूल निवासी बताया। इंद्र को पुरहिं-पुरंदर ध्वंसक बताया। चंद के अनुसार इंद्र ने आर्य दिवोदास के लिए दास शंबर के पुर जीते। शंबर 'दास' था। पहाड़ पर रहता था, जबकि सच यह है कि पहाड़ पर न मोहन जोदड़ो था और न ही हड़प्पा। फिर ऋग्वेद (9.61.2) में दिवोदास के शत्रुओं की सूची में शंबर के साथ यदु और तुर्वस जैसे आर्य भी हैं यानी कथित आर्य हमले में दोनों तरफ आर्य थे। सवाल पेंचीदे हैं। उन्होंने ऋग्वेद को गवाह बनाया है यानी ऋग्वेद हड़प्पा सभ्यता के नाश (सरस्वती के सूख जाने) के बाद रचा गया।

प्रख्यात मार्क्सवादी विचारक डॉ. रामविलास शर्मा ने आर्य आक्रमण को भाषा विज्ञान की कल्पना बताते हुए लिखा- 'सघोष महाप्राण ध्वनियों वाले भारतीय शब्दों के ईरानी, यूरोपियन प्रतिरूपों में सघोषता और महाप्राणता का संयोग नहीं होता। यह विशेषता केवल भारतीय आर्य भाषाओं की है। यही एक तथ्य आर्य आक्रमण सिद्धांत को ध्वस्त करने के लिए काफी है।' डॉ. अम्बेडकर ने ऋग्वेद के छठे, सातवें, आठवें और नौवें मंडल के सूक्तों के हवाले से लिखा- 'लेखकों ने आर्य नस्ल का जो सिद्धांत बनाया वह वैज्ञानिक अनुसंधान का उल्टा है। भारत ही आर्यों का मूल निवास था। '

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

कमजोर मानसून से लगेगा महंगाई का झटका, अर्थव्यवस्था पर असर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
स्तंभकार

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी ओर अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को मानें तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल, देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की सालभर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। शौचालय और कूलरों में पानी की खपत बहुत बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं है क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी-नाले तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

यह सोचना कि मानसून हमेशा सामान्य बना रहेगा, यह सोचना गलत होगा। जिस तरह वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़-पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा करते रह गए। जनवरी-फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च-अप्रैल में गर्मी का असर देखा गया। बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेशियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समय पर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी-ओलावृष्टि आम होती जा रही है। लिहाजा, मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

पेट फूलना, अधिक पेशाब और पेल्विक एरिया में दर्द हो सकते हैं ओवेरियन कैंसर के लक्षण

ओवेरियन कैंसर के लक्षण अचानक या बहुत गंभीर नहीं होते। शुरुआत में तेज दर्द या हेवी ब्लीडिंग जैसी समस्या भी नहीं होती। इसके लक्षण धीरे-धीरे बढ़ते हैं। ज्यादातर महिलाएं इन लक्षणों को उम्र बढ़ने, हार्मोनल बदलाव, वजन बढ़ने या मेनोपॉज के सामान्य प्रभाव मानकर नजरअंदाज कर देती हैं। यही वजह है कि ओवेरियन कैंसर के बारे में अक्सर देर से पता चलता है।

ओवेरियन कैंसर के शुरुआती लक्षण आम बीमारियों जैसे लगते हैं। इनमें पेट फूलना, पेट या पेल्विक एरिया में लगातार दर्द, थोड़ा खाने पर जल्दी पेट भर जाना और बार-बार पेशाब आना शामिल हैं। ये लक्षण गैस, अपच, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम , यूरिन इन्फेक्शन या खानपान की गड़बड़ी जैसे सामान्य कारणों से भी हो सकते हैं। ये सभी संकेत ज्यादातर महिलाओं को नॉर्मल लगते हैं इसलिए वो सोचती हैं कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। ओवेरियन कैंसर के लिए अभी ऐसी कोई नियमित और पूरी तरह भरोसेमंद स्क्रीनिंग जांच नहीं है जैसी स्तन कैंसर के लिए मैमोग्राम या कोलन कैंसर के लिए कोलोनोस्कोपी होती है। ऐसे में महिलाओं का अपनी सेहत के प्रति जागरूक रहना बेहद जरूरी है।

शरीर के सामान्य बदलावों को समझें : महिलाओं को अपने शरीर के सामान्य बदलावों को समझना चाहिए। यदि कोई परेशानी लंबे समय तक बनी रहती है या धीरे-धीरे बढ़ती है, तो अपनी जांच करवानी चाहिए। अगर पेट फूलना, पेट दर्द, भूख कम लगना, जल्दी पेट भरना या बार-बार पेशाब आने जैसी समस्याएं लगातार कई हफ्तों तक बनी रहें, तो महिलाओं को इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। खासकर तब, जब ये लक्षण पहले कभी नहीं होते थे। जिन महिलाओं के परिवार में कैंसर का इतिहास है उन्हें विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए और अपना रेगुलर चेकअप करवाना चाहिए। ओवेरियन कैंसर के प्रमुख कारण ये हो सकते हैं- परिवार में ओवेरियन, ब्रेस्ट या कोलोरेक्टल कैंसर का इतिहास , आनुवंशिक जीन में बदलाव बढ़ती उम्र, खासकर मेनोपॉज के बाद और कभी प्रेग्नेंट न होना। ओवेरियन कैंसर का जल्दी पता चलने पर इलाज संभव है इसलिए महिलाओं को अपने शरीर में लगातार हो रहे बदलावों को गंभीरता से लेना चाहिए। छोटी-छोटी समस्याओं को बार-बार नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

निशाना

चाहे जितने भी कर ले जतन..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

चाहे जितने भी कर जतन प्यारे
खुद फ़ना हो के मिले फ़न प्यारे।
तेरे-मेरे की सोच जब से गयी
तब से अपने धरा-गगन प्यारे।
उसको दरवेश कह या पागल कह
अपनी वो धुन में है मगन प्यारे।
एक ही नूर है हरेक शय में
हरेक शय को है नमन प्यारे।
बुझते दम तक लड़ा जो आँधी से
देख दीपक का बाँकपन प्यारे।
खुद को पाने की राह में, केवल
काम आएगी बस लगन प्यारे।
कोई होगा जो आसमां होगा
तुझको बनना है वो ही बन प्यारे।
खुशबुओं में तो तू नहा आया
वस्त्र भी ठीक से पहन प्यारे।
क्या समंदर की है बिसात भला
एक काफी है आचमन प्यारे।
लोग तुझको गुणी बताएंगे
आ तो जाने दे थोड़ा धन प्यारे।

यूजर्स गाइड

आईआरसीटीसी के बाद अब रेलवन ऐप, तेजी से हो रहा है लोकप्रिय

ट्रेन टिकट बुक करने के लिए सभी ने अभी तक आधिकारिक ऐप IRCTC का इस्तेमाल किया होगा। लेकिन क्या आपको भारतीय रेलवे के नए RailOne ऐप के बारे में पता है। यह ऐप लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसे रेलवे के सुपर ऐप नाम से भी जाना जाता है। लेकिन कई लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब दोनों ऐप ही भरतीय रेलवे के लिए हैं तो आखिर RailOne और IRCTC में फर्क क्या है। कौन सा ज्यादा उपयोगी है। दरअसल, RailOne ऐप भारतीय रेलवे का ऑल इन वन सुपर ऐप है। इसे CRIS यानी रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र ने बनाया है। इसका मकसद भारतीय रेल की सभी सुविधाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाना है। इसके जरिए टिकट बुक कर सकते हैं। ट्रेन को ट्रैक कर सकते हैं। खाना ऑर्डर कर सकते हैं। यहां तक कि शिकायत भी कर सकते हैं।

अगर IRCTC की बात करें तो यह ऐप अभी भी टिकट बुकिंग के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। तत्काल टिकट कराना हो या फिर स्लिपर ज्यादातर लोग इस पर ही भरोसा करते हैं। लेकिन RailOne का Focus सिर्फ रिजर्व टिकट तक की सीमित नहीं है। इसके के जरिए आप जनरल टिकट भी खरीद सकते हैं।

रेल वन ऐप के फायदे: आप स्टेशन से जनरल टिकट जैसी कई सर्विस कर सकते हैं। यानी लोगों को स्टेशन की लाइन में लगने की जरूरत कम हो जाती है। खासकर रोज आने-जाने वालों के लिए काफी उपयोगी। RailOne ऐप में आप पहले से अपना पूरा प्रोफाइल सेव कर सकते हैं। यानी बार-बार पैसेंजर डिटेल नहीं डालनी होगी। इसमें सिंगल साइन ऑन सिस्टम भी मिलता है। वहीं, IRCTC और TS से लॉग इन किया जा सकता है।

इसके अलावा लाइन ट्रेन ट्रैकिंग, PNR स्टेटस, कोच पॉजिशन, फूड ऑर्डर करने की सुविधा भी मिलती है। यही वजह है कि भारतीय रेलवे इसे वन स्टॉप रेलवे प्लेटफॉर्म की तरह प्रमोट कर रहा है। हालांकि, इस ऐप में कई बग भी हैं। पेमेंट से संबंधित भी दिक्कतें आती हैं। IRCTC अभी भी रिजर्व्ड और तत्काल टिकट के लिए भरोसेमंद प्लेटफॉर्म माना जाता है।

नॉलेज

चेरापूंजी नहीं... मेघालय का ये खूबसूरत गांव, जहां होती है दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश

बारिश का नाम आते ही ज्यादातर लोगों के चेहरे पर खुशी आ जाती है। तपती गर्मी से राहत देने वाली ये बूंदें हर किसी को सुकून देती हैं। साहित्य और फिल्मों में भी बारिश को सबसे रोमांटिक मौसम माना गया है। लेकिन अगर यही बारिश रोज हो, हर महीने हो और साल के ज्यादातर हिस्से में लगातार होती रहे, तो जिंदगी कैसी होगी? क्या यह भी उतनी ही खूबसूरत लगेगी? दरअसल, भारत में एक ऐसी ही जगह है, जहां बारिश सामान्य मौसम नहीं बल्कि जीवन का हिस्सा ही बन गई है। यहां के लोग हर दिन बारिश के साथ जीते हैं, काम करते हैं और अपनी जिंदगी आगे बढ़ाते हैं। इस जगह का नाम सुनकर शायद आपके मन में चेरापूंजी आए, लेकिन असली रिकॉर्ड अब एक और जगह के नाम है।

पहले दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश का रिकॉर्ड चेरापूंजी के नाम था। लेकिन अब यह रिकॉर्ड मेघालय के एक गांव मासिनराम के पास है। मासिनराम और चेरापूंजी दोनों मेघालय में ही स्थित हैं और एक-दूसरे से लगभग 10 मील की दूरी पर हैं। मासिनराम ने चेरापूंजी को बहुत कम अंतर से पीछे छोड़ दिया है, लेकिन यही छोटा अंतर इसे दुनिया का सबसे बारिश वाला स्थान बना देता है। यहां हर साल औसतन करीब 11871 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जाती है, जो दुनिया के किसी भी हिस्से से कहीं ज्यादा है।

मासिनराम में बारिश पूरे साल लगातार नहीं होती, लेकिन लगभग हर दिन हल्की या तेज बारिश जरूर होती है। यहां की सबसे खास बात यह है कि साल की करीब 90% बारिश सिर्फ 6 महीनों के अंदर हो जाती है। खासकर जुलाई का महीना यहां सबसे ज्यादा बारिश लेकर आता है। उस समय ऐसा लगता है जैसे आसमान खुलकर बरस रहा हो।

क्यों होती है यहां इतनी ज्यादा बारिश?: मासिनराम की भौगोलिक स्थिति ही इसकी सबसे बड़ी वजह है। यह गांव मेघालय की राजधानी शिलांग से लगभग 60 किलोमीटर दूर पूर्वी खासी पहाड़ियों में स्थित है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली गर्म और नमी से भरी हवाएं जब इन पहाड़ियों से टकराती हैं, तो ऊपर उठकर ठंडी हो जाती हैं। इसी प्रक्रिया में बादल बनते हैं और भारी बारिश होती है। करीब 1491 मीटर की ऊंचाई और लगातार नमी इस इलाके को दुनिया का सबसे 'वेटेस्ट प्लेस' बना देती है। यहां के लोगों की जिंदगी बारिश के हिसाब से चलती है। यहां छाता कोई फैशन नहीं, बल्कि जरूरत है। स्थानीय लोग बांस से बने खास छाते इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें 'कनूप' कहा जाता है। ये छाते पूरे शरीर को ढक लेते हैं ताकि लगातार बारिश में भी काम किया जा सके। यहां खेती करना आसान नहीं है, लेकिन फिर भी लोग चाय और संतरे जैसी फसलें उगाते हैं, क्योंकि यहां की मिट्टी काफी उपजाऊ है।

न्यूज विंडो

फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर बाबा महाकाल पहुंचे, लिया आशीर्वाद

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार तड़के फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर, टीवी और फिल्मफिल्म निर्माता मधुर भंडारकर, टीवी और फिल्म अभिनेता जय भानुशाली व टीवी अभिनेत्री आरती सिंह दर्शन करने पहुंचे। तीनों ने भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया।तीनों श्रद्धालु तड़के करीब 3 बजे भस्म आरती में शामिल होने के लिए मंदिर पहुंचे। उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए।

पूर्व मंत्री की स्मृति में गोशाला में आज होगी भजन संध्या

सिरोंज। पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को लटेरी रोड पर स्थित श्रीकृष्ण गोशाला में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा स्मृति लोककल्याण न्यास द्वारा पूर्व मंत्री की स्मृति में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में न्यास द्वारा सोमवार रात 8 बजे से गोशाला परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

मकान निर्माण के दौरान मिले जिंदा बम को सेना ने किया डिफ्यूज

जबलपुर। जबलपुर में डुमना एयरपोर्ट के समीप स्थित गधेरी गांव में मकान निर्माण के दौरान मिले जिंदा बम को सेना की टीम ने सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया। बम मिलने से लेकर उसे निष्क्रिय करने तक की पूरी प्रक्रिया करीब 7 से 8 घंटे में पूरी कर ली गई। इसके लिए जिला प्रशासन, पुलिस और सेना के अधिकारियों ने त्वरित समन्वय कर रक्षा मंत्रालय तक पत्राचार किया।

डिंडोरी में जामुन तोड़ने के दौरान एक छात्र करंट की चपेट में आया, भर्ती

डिंडोरी। आनखेड़ा गांव में जामुन तोड़ने के दौरान एक 13 वर्षीय छात्र बिजली के करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। घायल किशोर किस्मत मरावी को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जबलपुर रेफर किया गया है।

नगर पालिका बामौरा रोड पर करवा रही नाली निर्माण, निर्माण एजेंसी मनमानी पर उतारू

व्यस्त सड़क पर ठेकेदार ने पटकवा दी निर्माण सामग्री, रहवासी धूल-मिट्टी और जाम से परेशान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर के बामौरा रोड पर चल रहा नाली निर्माण कार्य रहवासियों और राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। नपा द्वारा करीब एक पखवाड़े पहले बामौरा रोड पर वाल्मीकि समाज की बस्ती तरफ के हिस्से में नाली निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है। काम शुरू होने के साथ ही ठेकेदार द्वारा सड़क पर सामग्री पटकवा दी गई। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद निकला मलबा और मिट्टी भी सड़क पर ही डाली गई। इस मिट्टी को उठाने की चिंता किसी ने नहीं की। अब एक पखवाड़े ये निर्माण सामग्री कचरा और मिट्टी सड़क पर ही पड़े हुए हैं। इससे रहवासियों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। दिनभर सड़क पर पड़ी मिट्टी और रेत की धूल लोगों की आंखों में भर रही है। घरों और दुकानों में रखी सामग्री पर धूल जम रही है और इसे दिन में कई बार साफ करना पड़ रहा है। ठेकेदार द्वारा एक साथ ही पूरी नाली की खुदाई करवा दी गई है। जिससे लोगों को अपने घरों और दुकानों में आने-जाने में भी परेशानी उठाना पड़ रही है।

दिन में कई बार लगता है जाम

निर्माण सामग्री पड़ी होने के कारण सड़क का आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। 6 मीटर चौड़ी इस सड़क के आधे से ज्यादा हिस्से पर निर्माण सामग्री ही पड़ी हुई है। ठेकेदार ने एक बार में ही पूरी निर्माण सामग्री सड़क पर पटकवा दी है। जबकि उसे उपयोग के अनुसार सामग्री यहां रखवाना थी। इस कारण वाहन चालकों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जब भी कोई चार पहिया वाहन यहां से निकलता है तो उसे धीमी गति करना पड़ती है। दुकानदार आशीश यादव ने बताया कि दिन में कई बार सड़क पर जाम की स्थिति बनती है और लोग परेशान होते हैं। बावजूद इसके जिम्मेदारों को नागरिकों की परेशानी दिखाई नहीं दे रही।

हर दिन होता है हजारों वाहनों का आवागमन

बामौरा रोड शहर की प्रमुख व्यस्त सड़कों में शामिल है। यह सड़क मुख्य बाजार और अनेक मोहल्लों को छतरी नाका चौराहे से जोड़ती है। प्राचीन छतरी हनुमान मंदिर और जैन मंदिरों तक आने-जाने के लिए श्रद्धालु इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। हर दिन हजारों वाहनों और पैदल राहगीरों का इस सड़क से आना-जाना होता है और वे सड़क पर पड़ी निर्माण सामग्री से परेषान होते हैं। इस संबंध में इस क्षेत्र के पार्षद प्रतिनिधि संजू सोनी से जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि नागरिकों की परेषानी से मैने भी नपा प्रबंधन को अवगत कराया है। एक-दो दिन में सड़क पर पड़ी सामग्री को हटवाने की बाद प्रबंधन ने कही है।

रायसेन से शुरू हुआ 'खेत बचाओ अभियान'

धरती मां को बचाने का राष्ट्रीय संकल्प

नई दिल्ली/भोपाल/रायसेन। दोपहर मेट्रो

रायसेन जिले से 'खेत बचाओ अभियान' का राष्ट्रीय शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में हुआ। कृषि विज्ञान केंद्रों, आईसीएआर संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ कृषि अधिकारियों तथा किसान हित में कार्यरत साथियों की इसमें सहभागिता हो रही है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती मां को बचाने, खेती का भविष्य सुरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा करने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने कहा कि बढ़ता तापमान, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का असंतुलित उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट और बदलते जलवायु संकट खेती के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़े हैं, इसलिए समय रहते व्यापक जागरूकता और व्यवहारिक हस्तक्षेप आवश्यक है।

रायसेन जिले के रामसिया गांव से प्रारंभ हुआ यह 'खेत बचाओ अभियान' किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतक खेती, फसल चयन, जल संरक्षण, हरी खाद, कम वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक कृषि पद्धतियों तथा नकली खाद-बीज और पेस्टिसाइड की पहचान जैसे विषयों पर जागरूक करेगा। चौहान ने राज्यों के कृषि विभागों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए केंद्र, राज्य, आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और किसान हितैषी संस्थाएँ एकजुट होकर कार्य करें। इस अभियान से किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, मिनी बीज किट, दलहन-तिलहन मिशन तथा कृषि यंत्रीकरण जैसी योजनाओं का लाभ भी किसानों तक पहुँचाया जाए, इससे खेत बचाने के साथ-साथ किसान की आय, जागरूकता और कृषि प्रबंधन क्षमता को भी मजबूत किया जा सकेगा।

सतना-मैहर बायपास पर बस ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत

शादी के 18 दिन बाद विधवा हुईं सगी बहनें सतना में एक साथ उठीं भाइयों की अर्थियां

सतना। दोपहर मेट्रो

सतना से एक हृदयविदारक खबर सामने आई है। यहां शादी के महज 18 दिन बाद ही दो सगी बहनों के सुहाग उजड़ गए। सगी बहनों की शादी दो भाइयों से हुई थी । जिनकी बाइक को सतना-मैहर बायपास पर बस ने टक्कर मार दी और घटना में एक भाई की मौके पर और दूसरे की रीवा ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। हादसे की खबर जब घर पहुंची तो चीख पुकार मच गई। घटना से गुस्साए परिजनों और लोगों ने बस में तोड़फोड़ कर रोड जाम कर दी। सतना जिले के चकदही के रहने वाले विवेक यादव (26) अपने छोटे भाई विनय यादव (24) के साथ बाइक से डॉक्टर के पास सतना आ रहे थे। बाइक में उनकी भाभी भी बैठी थी। इसी दौरान सतना-मैहर बायपास स्थित उतैली मोड़ के पास सामने से जा रही अभय ट्रेवल्स की बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहा विवेक यादव बस के नीचे आ गया और उसकी वहीं मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे विनय और भाभी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। विनय की हालत गंभीरहोने पर उसे रीवा रेफर किया गया लेकिन रीवा ले जाते वक्त रास्ते में ही उसने दम तोड़।हादसे का सबसे मार्मिक पहलू यह है कि विवेक और विनय यादव का विवाह 12 मई को उचेहरा क्षेत्र के खोखर्रा गांव में दो सगी बहनों के साथ हुआ था। दोनों भाइयों की बारात एक साथ निकली थी। शादी के बाद दोनों नवविवाहित जोड़े भविष्य के सपने संजो रहे थे, लेकिन महज 18 दिन बाद हुए हादसे ने सारी खुशियां छीन लीं। दोनों भाई गुजरात के सूरत में प्राइवेट नौकरी करते थे। विवाह के लिए एक माह की छुट्टी पर घर आए थे और एक सप्ताह बाद वापस सूरत लौटने की तैयारी में थे। इससे पहले ही घटना घट गई।

55 टीमों ने 250 ठिकानों पर दी दबिश, मर्डर व लूट के आरोपियों सहित 10 इनामी बदमाश गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के हौसले पस्त करने के लिए धार पुलिस ने एक बड़ा अभियान चलाया है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के मार्गदर्शन तथा एएसपी विजय डावर व एसपी पारुल बेलापुरकर के कुशल निर्देशन में पूरे जिले में ऑपरेशन प्रहार के तहत कॉम्बिंग गश्त और विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस महाअभियान के दौरान पुलिस ने हत्या, लूट और झपटमारी के बड़े मामलों का पर्दाफाश करते हुए कई शातिर और इनामी बदमाशों को सलाखों के पीछे भेजा है।

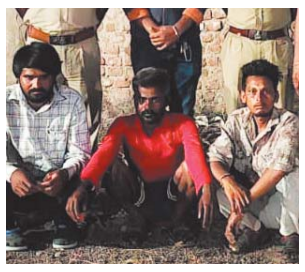

इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए धार पुलिस द्वारा 55 विशेष टीमों का गठन किया गया था, जिसमें 316 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। इन टीमों ने एक साथ रणनीति बनाकर जिले के 250 संदिग्ध ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी, जिससे अपराधियों में हड़कंप मच गया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान थाना मांडव पुलिस ने हत्या के 01 मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। विभिन्न थानों की पुलिस ने लूट और झपटमारी के 03 शातिर आरोपियों को दबोचा है, जिनसे पूछताछ में 09 संगीन वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने 3 जघन्य अपराधों के अभियुक्तों और 7 वांटेड (वांछित) अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

एएसपी विजय डावर के अनुसार पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान 10 इनामी अपराधियों समेत कुल 156 बदमाशों के खिलाफ 27 हजार रुपये के मामलों में प्रभावी कार्रवाई की है। इसके अलावा जिले के 468 गुंडों व हिस्ट्रीशीटरों और 6 जिला बदर अपराधियों की सघन चेकिंग कर उनकी गतिविधियों को खंगाला गया। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और व्यापार में संलिप्त 47 आदतन अपराधियों तथा 24 सिकलीगरों को भी चेक किया गया। क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने धारा 126 एवं 135 ब्नहस्स के तहत रिकॉर्ड 502 असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इसके साथ ही आर्म्स एक्ट में 01 और आबकारी एक्ट के तहत 04 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

युवाओं को संस्कारों सेजोड़ने किया हनुमान चालीसा पाठ

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

हिंदू चेतना सेवा समिति मंडल गंजबासौदा द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान एवं युवाओं को धर्म और आध्यात्म से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित जनजागरण अभियान के अंतर्गत शनिवार को बूढ़ा पुरा स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का 131वां चरण श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

पंडित हरिओम दुबे के निवास पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम एवं पवनपुत्र हनुमान जी के स्मरण से हुई। श्रद्धालुओं और समिति सदस्यों ने सामूहिक रूप से सात बार हनुमान चालीसा का पाठ कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य एवं समाज को नशामुक्त बनाने की कामना की। मंदिर परिसर जय श्रीराम और बजरंगबली के जयघोषों से गूंज उठा। सामूहिक पाठ के बाद हर्षित विश्वकर्मा, अर्णव रघुवंशी एवं लखन गुर्जर ने भजनों की मनोहारी प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजनों के माध्यम से धर्म, भक्ति और आध्यात्म का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर पंडित हरिओम दुबे ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि धर्म जागरण, नशा मुक्ति और युवाओं को संस्कारों से जोड़ने के लिए किया जा रहा यह अभियान समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है तथा उसके शुभ कार्यों को सफल बनाने में सहायक होता है।

कार्यक्रम के अंत में विधिवत आरती कर प्रसादी वितरित की गई। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से आरती में सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। समिति अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य गंजबासौदा को नशामुक्त बनाना तथा बच्चों और युवाओं को धर्म, संस्कृति एवं आध्यात्म से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मंदिरों में आयोजित हनुमान चालीसा पाठ के माध्यम से धार्मिक जागरण के साथ-साथ लोगों को नगर एवं आसपास के प्राचीन मंदिरों के दर्शन और उनके महत्व की जानकारी भी मिल रही है। कार्यक्रम में मोहित तिवारी, लखन गुर्जर, विशाल सेन, विपिन बिहारी तिवारी, नरेंद्र राय, मनीष सेन, रोहित नाथ, कान्हा तेनगुरिया, अनंग सेन, सचिन शुक्ला, अमन विश्वकर्मा, प्रिंस सेन, महेंद्र पाल, प्रशांत शर्मा, मृदुल शर्मा, शरद कुशवाह, प्रदीप शर्मा, देवेंद्र कुर्मी, पीयूष रघुवंशी, देवांश माथुर, निशिकांत माथुर, अखिलेश तिवारी, अनन्या तिवारी, दीपक रघुवंशी, हर्षित विश्वकर्मा, अर्पित विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

सिवनी बंजारी घाटी के पास पपीते से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा

सिवनी। दोपहर मेट्रो

जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-44 स्थित बंजारी घाटी में एक सड़क हादसा हो गया। पपीते से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हादसे में ट्रक चालक रमन नायक (40 वर्ष) घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद करते हुए उसे छपारा अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

मेट्रो एंकर

साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत नदी जल स्वच्छता कार्यक्रम में उमड़े लोग

श्रमदानियों ने लोगों को दिया संदेश- नदी हमारी धरोहर है

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत रविवार को नदी जल स्वच्छता कार्यक्रम का 34वां चरण उत्साह और जनसहभागिता के साथ संपन्न हुआ। लगातार 34 सप्ताह से चल रहे इस अभियान के तहत श्रमदान दल के सदस्यों ने नदी एवं घाटों की स्वच्छता के लिए श्रमदान कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अधिक मास के चलते इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठान, स्नान और पूजन-अर्चन के लिए नदी घाटों पर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही के कारण घाटों पर पूजन सामग्री, प्लास्टिक, कपड़े एवं अन्य प्रकार के कचरे की मात्रा में वृद्धि हुई है। ऐसी स्थिति में श्रमदान दल के सदस्यों ने नदी तट और घाटों पर फैली गंदगी को एकत्रित कर स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान को उस समय नई ऊर्जा मिली जब पांच नए युवाओं ने पहली बार श्रमदान कार्यक्रम में सहभागिता की। भविष्य तिवारी, सुमित जाट, अतिशय जैन, जीवन लोधी और प्रद्युम्न शर्मा ने श्रमदान कर यह संदेश दिया कि युवा शक्ति यदि पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आए तो सकारात्मक बदलाव को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है।

श्रमदान दल के सदस्यों ने कहा कि नदियां केवल जल का स्रोत नहीं हैं, बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता और आस्था की अमूल्य धरोहर हैं। धार्मिक आस्था के साथ यदि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का भाव भी जुड़ जाए, तो नदियों को प्रदूषण से बचाया जा सकता है। श्रद्धा तभी सार्थक है जब उसके साथ प्रकृति और जल स्रोतों के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी जुड़ा हो। अभियान के दौरान उपस्थित सदस्यों ने नागरिकों से अपील की कि वे पूजन सामग्री, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट नदी में प्रवाहित न करें तथा घाटों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि नदियों को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन या किसी संगठन का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

लगातार 34 सप्ताहों से जारी यह अभियान अब एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। प्रत्येक सप्ताह नए लोगों का जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि समाज में नदी संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। श्रमदानियों ने विश्वास जताया कि यदि यही जनसहभागिता और संकल्प बना रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब हमारी नदियां पुनः स्वच्छ, निर्मल और जीवनदायिनी स्वरूप में दिखाई देंगी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि ÷नदियां हमें जीवन देती हैं, अब समय है कि हम भी उनके जीवन के लिए आगे आएं।

न्यूज विंडो

कक्षा 9वीं एवं 11वीं की द्वितीय परीक्षा हेतु गोपनीय सामग्री का वितरण संपन्न

नरसिंहपुर। शैक्षणिक सत्र 2026 के अंतर्गत कक्षा 9वीं एवं 11वीं की द्वितीय परीक्षा का आयोजन निर्धारित समय-सारणी के अनुसार 03 जून 2026 से किया जाएगा। कक्षा 9वीं की परीक्षा प्रतिदिन प्रातः 09ः00 बजे से दोपहर 12ः00 बजे तक तथा कक्षा 11वीं की परीक्षा प्रातः 09ः00 बजे से दोपहर 12ः00 बजे एवं दोपहर 01ः30 बजे से शाम 04ः30 बजे तक आयोजित होगी।परीक्षा के लिए विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र ईएमएस पोर्टल पर उपलब्ध कराए जा चुके हैं तथा संबंधित विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों को वितरित किए गए हैं। द्वितीय परीक्षा 2026 हेतु नरसिंहपुर जिले में प्रश्न-पत्रों के सुरक्षित रखने हेतु कुल 10 अभिरक्षा केंद्र निर्धारित किये गये है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने परीक्षा संचालन में संस्था प्राचार्य, परीक्षा केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष को परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने साथ ही लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा जारी परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन संबंधी सभी नियमों एवं निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाने की दिलाई शपथ

तेंदूखेड़ा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तंबाकू नियंत्रण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बरौनियां द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाने की शपथ दिलाई गई। शपथ के दौरान सभी ने संकल्प लिया कि वे किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद का सेवन नहीं करेंगे तथा अपने घर और कार्यस्थल को तंबाकू मुक्त बनाए रखेंगे। साथ ही समाज में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता फैलाने और लोगों को तंबाकू से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का भी संकल्प लिया गया। डॉ. बरौनियां ने कहा कि तंबाकू का सेवन अनेक गंभीर बीमारियों, विशेषकर कैंसर, हृदय रोग एवं श्वसन संबंधी समस्याओं का प्रमुख कारण है। उन्होंने सभी से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा तंबाकू मुक्त अभियानों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने तंबाकू मुक्त भारत एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।

माहवारी स्वच्छता दिवस के नाम पर केवल औपचारिकता, बंद पड़े वेलनेस सेंटर

उमरिया। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में माहवारी स्वच्छता दिवस मनाकर स्वास्थ्य विभाग भले ही जागरूकता के बड़े दावे कर रहा हो, लेकिन जमीनी स्तर पर कई स्वास्थ्य केंद्र और वेलनेस सेंटर बंद पड़े होने से व्यवस्थाओं की पोल खुलती नजर आ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिन केंद्रों पर नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होनी चाहिए, वहां ताले लटक रहे हैं और केवल कार्यक्रम आयोजित कर फोटो खिंचवाने तक ही सीमित गतिविधियां रह गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के नाम पर बजट खर्च किया जा रहा है, लेकिन वास्तविक सुविधाएं लोगों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। कई स्थानों पर वेलनेस सेंटरों में न तो नियमित स्टाफ मौजूद रहता है और न ही महिलाओं एवं किशोरियों को आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। इसके बावजूद कागजों में कार्यक्रम सफल बताकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। माहवारी स्वच्छता दिवस के दौरान रैली, प्रतियोगिता और भाषणों का आयोजन तो किया गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी स्वच्छ शौचालय, सेनेटरी पैड और महिला स्वास्थ्य जांच जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। लोगों का आरोप है कि विभाग केवल फोटो सेशन और औपचारिक आयोजनों तक सीमित होकर सरकारी बजट का उपयोग कर रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि बंद पड़े स्वास्थ्य एवं वेलनेस सेंटरों को तत्काल चालू कराया जाए तथा योजनाओं के बजट और खर्च की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही यह भी मांग उठ रही है कि केवल दिखावटी कार्यक्रमों के बजाय स्वास्थ्य सेवाओं को वास्तविक रूप से गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए ठोस कार्यवाही की जाए।

बारिश में लोगों को अंतिम संस्कार करने होना पड़ेगा परेशान

श्मशान घाट में बना टीनशेड धाराशायी, ग्रामीण बोले- घटिया सामग्री के चलते हुआ जमींदोज

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सरकार ग्राम पंचायतों के विकास के लिए कई तरह की योजनाएं चला रही है एवं लाखों रुपए स्वीकृत कर रही है जिससे ग्राम पंचायतों का विकास हो सके। उन्हीं पंचायतों के जिम्मेदारों ने शासकीय राशि में गफलत करने की मंशा से विकास के नाम पर घटिया निर्माण करा दिया जाता हैं। जिसका खामियाजा ग्राम पंचायत के लोगों को भुगतना पड़ता है तेंदूखेड़ा जनपद पंचायत की कई पंचायते ऐसी है, जिनके अंतर्गत आने वाले गांवों में आज तक श्मशानघाट न होने के कारण बारिश में और गर्मियों में अंतिम संस्कार करने में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके बाद भी जनप्रतिनिधि और मुख्यालय में बैठे अधिकारी ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत बिलतरा से सामने आया है जहां पर श्मशान घाट पर बना टीन-शेड चंद दिनों में धाराशाई हो गया। दरअसल ग्राम पंचायत बिलतरा के आश्रित ग्राम वर्दघटी में बीते 5 माह पहले ही लाखों रुपए की लागत से श्मशान घाट में बनाए गए टीन शेड घटिया सामग्री के चलते भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। लाखों रुपए खर्च करके शांतिधाम में बनाए गए टीन-शेड घटिया निर्माण होने के चलते उसमें लगा टीनशेड और गार्डर खंबे हवा में टूटकर जमीदोंज हो गए और क्षतिग्रस्त हालत में आज भी पड़े हुए हैं स्थानीय लोगों ने बताया कि ग्राम पंचायत बिलतरा में लाखों रुपए खर्च कर दो माह पहले ही शांति धाम में टीन शेड का निर्माण कार्य कराया था लेकिन कुछ दिनों में ही टीनशेड हवा में उड़कर धाराशाई हो गया घटिया निर्माण के चलते टीन शेड टूटकर बिखर गया है और आज भी चबूतरे पर क्षतिग्रस्त हालत में पड़ा हुआ है। जिसका ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव द्वारा कोई सुधार कार्य नहीं कराया जा रहा है जहां लोगों को अंतिम संस्कार में परेशान होना पड़ा रहा है।

निर्माण के दौरान नहीं सुनते जिम्मेदार

वर्दघटी ग्राम के लोगों ने बताया कि जब ये टीन-शेड लगाया जा रह था तभी कहा था कि ये कमजोर है। जिसकी शिकायत कर अच्छी गाटर लगाने की मांग की गई थी लेकिन पंचायत ने अनसुना कर दिया। स्थिति ये हुई है कि टीनशेड एक महीने में ही जर्जर हो गया। उसके ऊपर लगी टीन की चादरें हवा में टूट कर उड़ गई लोहे के गाटर कमजोर होने के कारण पूरा टीन-शेड धाराशाई हो गया जिससे इस बार भी गांव में बारिश के समय अंतिम संस्कार करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा कुछ दिन बाद मानसून आने वाला है। पिछली बरसात जैसी स्थिति फिर बनेगी। ग्रामीणों ने अधिकारियों से मांग की है कि समय रहते मुक्ति धाम की मरम्मत कराई जाए ताकि अंतिम संस्कार में परेशानी न हों

सफाई के बाद होता है अंतिम संस्कार

ग्रामीणों ने बताया कि अंतिम संस्कार के लिए लोगों को काफी समस्या उठानी पड़ती है जब भी किसी परिवार में किसी सदस्य की मौत हो जाती है तब उसके परिवार के लोग शांतिधाम जाते हैं। वहां पर खुद साफ सफाई करते हैं उसके बाद ही शांतिधाम के बाजू में ही मृतक का अंतिम संस्कार किया जाता है जिसका कारण यह है कि ग्राम पंचायत बिलतरा ने आज तक कोई साफ सफाई कार्य नहीं कराया है जिसके चलते शांतिधाम के चारों और गंदगी का माहौल बना हुआ है जब इस संबंध में जनपद सीईओ मनीष बागरी से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन कवरेज क्षेत्र आता रहा जिसके कारण बात नहीं हो सकी।

वरिष्ठ अधिकारियों को लिखा पत्र

महिला जेल प्रहरी परेशान होकर नौकरी छोड़ने के लिए है मजबूर

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर के पाटन सब जेल में पदस्थ एक महिला जेल प्रहरी कथित प्रताड़ना से तंग हो चुकी है, परेशान होकर उसने नौकरी छोड़ने तक का मन बना लिया है। महिला जेल प्रहरी ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने की शिकायत की है। उसका आरोप है कि ड्यूटी के बाद बाजार जाने पर भी उसका पीछा किया जाता है। बताया गया है कि साल 2024 से शुरू हुआ यह विवाद अब तक सुलझ नहीं पाया है। हालांकि जेल प्रशासन का कहना है कि विभाग पूरी तरह महिला कर्मचारी के साथ खड़ा है और मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों सहित एडीजे को भी दी गई है।वहीं मामले में सौरभ व्यास का कहना है कि उन्होंने जेल में कथित अनियमितताओं की शिकायत की थी और इसी कारण उनके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज करवाई गई। उनका कहना है कि उन पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं।

देवरी पुलिस ने किया लाखों की चोरी का खुलासा, माल बरामद

बेटे ने चुराए थे लाखों के जेवर और नगदी, किया गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

देवरी थाना पुलिस ने चोरी की एक सनसनीखेज वारदात का खुलासा कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से साढ़े सात लाख से अधिक मूल्य का मशरूका बरामद किया है। दरअसल देवरी के बाजार वार्ड निवासी फरियादिया ने गत 18 मई थाना देवरी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि वह अपने पति परसोत्तम रैकवार को उपचार के लिए सागर लेकर गई थीं। घर से निकलते समय उन्होंने मकान में ताला लगाकर उसकी चाबी बाथरूम में रखे ब्रश के डिब्बे में सुरक्षित रख दी थी, जिसकी जानकारी परिवार के सदस्यों को थी। अगले दिन 19 मई को सुबह लगभग 8 बजे फरियादिया को उनके भाई गया प्रसाद द्वारा सूचना दी गई कि मकान के दरवाजे खुले हुए हैं तथा घर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा है। सूचना मिलने पर फरियादिया तत्काल देवरी पहुंचीं, जहां उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे के ताले गायब हैं तथा घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण एवं एक लाख रुपये नगद चोरी हो चुके हैं। थाना देवरी में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, परिस्थितिजन्य तथ्यों एवं गहन पूछताछ के आधार पर पुरुषोत्तम के पुत्र संदेही शुभम रैकवार पर फोकस किया। पूछताछ के दौरान आरोपी बार-बार बयान बदलता रहा, लेकिन पुलिस की सघन एवं वैज्ञानिक विवेचना के सामने अधिक देर तक टिक नहीं सका और अंततः उसने चोरी की पूरी वारदात स्वीकार कर ली। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी की जानकारी थी। परिवार के विश्वास का लाभ उठाकर उसने ही चोरी की योजना बनाई और घटना को अंजाम दिया। आरोपी की निशानदेही पर उसके कब्जे से चोरी गया संपूर्ण मशरूका बरामद किया जिसमें एक सोने का हार,एक सोने की पांचाली, चार नग सोने की चूड़िया, सोने की दो जोड़ी झुमकी,तीन अंगूठिया, एक चांदी की करधनी, एक जोड़ी बड़ी पायल, तीन जोड़ी छोटी पायल, तीन जोड़ी बिछड़ी सहित एक लाख रुपए नगदी शामिल हैं। बरामद मशरूका की अनुमानित कीमत करीब साढ़े सात लाख रुपए है। आरोपी शुभम रैकवार को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही जारी है।

युवा कांग्रेस ने पेपर लीक के विरोध में निकाला मशाल जुलूस

युवाओं के सपनों और भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: यश घनघोरिया

सागर। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस कार्यालय तीन बत्ती स्थित गौर मूर्ति से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया के नेतृत्व में नीट पेपर लीक घोटाले, महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर मशाल जुलूस निकाला गया।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष घनघोरिया ने कहा कि देश के लाखों युवाओं के सपनों और भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था में घोर भ्रष्टाचार व्याप्त है तथा आम जनता पर बढ़ती महंगाई की मार पड़ रही है। सरकार का पेट्रोल और डीजल के साथ रसोई गैस की कीमतों पर नियंत्रण नहीं है. रोज पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाए जा रहे हैं. देश में महंगाई बढ़ रही है आम आदमी परेशान हो रहा है। आंदोलन में समस्त जिला एवं शहर व ग्रामीण कांग्रेस पदाधिकारी, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, ब्लॉक अध्यक्ष, पार्षद, सभी मोर्चा, प्रकोष्ठ एवं विभागों के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. मशाल जुलूस में पूर्व शहर अध्यक्ष राजकुमार पचौरी, तरवर सिंह लोधी, रेखा चौधरी,आशीष ज्योतिषी, सिन्टू कटारे,दीपक दुबे,अवधेश तोमर, अमित रामजी दुबे, मुकुल पुरोहित,शैलेंद्र तोमर,डॉ संदीप सबलोक,कमलेश तिवारी, अक्षय दुबे सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन

धार्मिक आयोजनों से समाज में शांति, सद्भाव और संस्कारों का होता है विस्तार: राजपूत

सागर। दोपहर मेट्रो

राहतगढ़ में आयोजित श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया.इस अवसर पर मंत्री गोविंद सिंह ने कहा कि राहतगढ़ क्षेत्र में इस प्रकार के धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों का निरंतर होना पूरे क्षेत्र के लिए सौभाग्य की बात है। ऐसे पुण्य आयोजनों से समाज में धर्म, सद्भाव, नैतिकता और शांति का वातावरण निर्मित होता है। उन्होंने कहा कि जैन समाज द्वारा समय-समय पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों ने राहतगढ़ को एक विशिष्ट आध्यात्मिक पहचान प्रदान की है और आज यह नगर अध्यात्म एवं आस्था के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी अलग पहचान बना रहा है।

जैन धर्म का संदेश विश्व कल्याण का मार्ग

मंत्री राजपूत ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा, सत्य, करुणा, अपरिग्रह और आत्मकल्याण का संदेश देता है। जैनाचार्यों और तीर्थंकरों की शिक्षाएं मानवता को शांति, संयम और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। वर्तमान समय में जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब जैन धर्म के सिद्धांत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। राजपूत ने कहा कि जैन धर्म में सिद्धचक्र महामंडल विधान अत्यंत महत्वपूर्ण और पुण्यदायी अनुष्ठान माना जाता है। यह विधान आत्मशुद्धि, आध्यात्मिक उन्नति और मोक्ष मार्ग की प्रेरणा प्रदान करता है। आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पूजन, विधान एवं धार्मिक प्रवचनों का लाभ ले रहे हैं।

मेट्रो एंकर

आईपीएस स्कूल में ऑफलाइन व ऑनलाइन समर कैंप में बच्चों के विकास की पहल

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कराटे का दिया जा रहा प्रशिक्षण

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले में संचालित प्रतिष्ठित संस्थान आईपीएस अकैडमी कक्षा नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए समर कैंप प्रदान कर रहा है, समर कैंप ऑनलाइन तथा ऑफलाइन बच्चों की सुविधा के अनुसार अवेलेबल है, ऑफलाइन समर कैंप के लिए विद्यार्थियों को फिजिकल एक्टिविटी तथा कराटे का भी प्रशिक्षण प्रशिक्षण एक्सपर्ट्स के द्वारा भी दिया जा रहा है। बच्चों की पढ़ाई में गुणवत्ता हो सके जिसकी पहल आईपीएस स्कूल कर रहा है।

विद्यार्थी घर पर ही रहकर ऑनलाइन समर कैंप के एक्टिविटी कर रहे हैं। इस एक्टिविटी में विद्यार्थियों को घर पर ही उपलब्ध सामग्री से एक्टिविटी को कंप्लीट करना है। ऑनलाइन समर कैंप आईपीएस स्कूल के द्वारा संपन्न कराया जा रहा है। समर कैंप एक्टिविटी सप्ताह में 2 दिन मंगलवार और शुक्रवार को होती है। समर कैंप में भाग लेने वाले विद्यार्थी और अभिभावक ने जानकारी दी की समर कैंप एक्टिविटी बहुत ही रोचक है। जिससे बच्चों का समय उपयोग में आ रहा है, साथ ही खेल-खेल में बच्चों को बहुत सी चीज सीखने का अवसर भी प्रदान हो रहा है। आईपीएस समर कैंप एक्टिविटी में हमारे एक्सपर्ट, टीचर द्वारा स्कूल एक्टिविटी को डिजाइन किया गया है। जिससे प्रैक्टिकल एक्टिविटी को विद्यार्थी घर पर परफॉर्म करते हैं। खेल-खेल में बच्चों का संपूर्ण विकास जिसमें साइंस, मैथ्स, आर्ट, ड्राइंग, प्रोजेक्ट, हिस्ट्री फन एक्टिविटी आदि सम्मिलित है। आईपीएस स्कूल मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर वसीम खान ने बताया कि हमारे बच्चों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए यह पहले हमने दिनांक 1 मई से प्रारंभ की हुई है, इस समर कैंप को 15 जून तक सारी एक्टिविटी को पूर्ण करने का कार्य सुनिश्चित किया गया है। एक्टिविटी कंप्लीट करने वाले विद्यार्थियों को कई रिवॉर्ड, ई-सर्टिफिकेट, मेडल, ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

आईपीएल: 17 साल इंतजार, फिर लगातार दो ट्रॉफी; आरसीबी दोबारा चैंपियन

विजेता-उपविजेता पर पैसों की बारिश, कोहली-सूर्यवंशी छाए

अहमदाबाद, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। पिछले सीजन में पंजाब किंग्स को हराकर टीम पहली बार चैंपियन बनी आरसीबी ने इस बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए नया इतिहास रच दिया।

रविवार को अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। गुजरात के लिए वाशिंगटन सुंदर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत संतुलित रही। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए अर्धशतक लगाया और टीम की जीत की नींव रखी। आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट खोकर 161 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच से इतर आईपीएल में खर्च होने वाली रकम को लेकर लीग हमेशा चर्चा में रहती है। टीमों को मिलने वाली इनामी राशि के अलावा कई और अवॉर्ड भी दिए जाते हैं। इनमें ऑरेंज कैप, पर्पल कैप, फेयर प्ले अवॉर्ड जैसे अवॉर्ड शामिल हैं। हम आपको इन सभी अवॉर्ड और उसमें दी जाने वाली इनामी राशि के बारे में बता रहे हैं। खिताब विजेता आरसीबी को जीत के साथ 20 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली। पिछली बार भी विजेता आरसीबी टीम को इतने ही रुपये मिले थे। वहीं, उपविजेता गुजरात टाइटंस को 12.50 करोड़ रुपये की राशि पुरस्कार के रूप में दी गई। इसके अलावा टीम स्टाफ्स को लिमिटेड एडिशन वॉच दी गई।

15 खिलाड़ी जीत चुके हैं ऑरेंज कैप

आईपीएल में हर सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को ऑरेंज कैप दी जाती है। यह सिर्फ एक पुरस्कार नहीं बल्कि पूरे सीजन में बल्लेबाज की निरंतरता और दबदबे का प्रतीक है। 2008 से शुरू हुए इस टूर्नामेंट में अब तक कई दिग्गज बल्लेबाजों ने इस कैप को अपने नाम किया है। खास बात यह है कि 19 सीजन में 15 अलग-अलग खिलाड़ी ऑरेंज कैप जीत चुके हैं, जो इस प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को दिखाता है। इस लिस्ट में वैभव का नाम भी जुड़ गया है।

विजेता-उपविजेता के अलावा क्या-क्या अवॉर्ड दिए गए और इसकी इनामी राशि क्या रही...

अवॉर्ड	इनामी राशि	प्लेयर
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द फाइनल	एक लाख रुपये	वेंकटेश अय्यर
सुपर सिक्सेस ऑफ द फाइनल	एक लाख रुपये	विराट कोहली
ऑन द गो 4ह्य ऑफ द फाइनल	एक लाख रुपये	विराट कोहली
ग्रीन डॉट बॉल्स ऑफ द फाइनल	एक लाख रुपये	भुवनेश्वर कुमार
प्लेयर ऑफ द मैच (फाइनल)	5 लाख रुपये	विराट कोहली
इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	वैभव सूर्यवंशी
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन	कार	वैभव सूर्यवंशी
सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	वैभव सूर्यवंशी
ऑन द गो 4ह्य ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	साई सुदर्शन
ग्रीन डॉट बॉल्स ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	मोहम्मद सिराज
कैच ऑफ द सीजन	10 लाख रुपये	मनीष पांडे
फेयर प्ले अवॉर्ड	ट्रॉफी	पंजाब किंग्स
पर्पल कैप	10 लाख रुपये	कगिसो रबाडा
ऑरेंज कैप	10 लाख रुपये	वैभव सूर्यवंशी
मोस्ट वैलुएबल प्लेयर ऑफ द सीजन	15 लाख रुपये	वैभव सूर्यवंशी
पिच एंड ग्राउंड अवॉर्ड (पांच या उससे ज्यादा मैच होस्ट) (क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ द बंगाल)	50 लाख रुपये	ईडन गार्डन्स
पिच एंड ग्राउंड अवॉर्ड (चार या उससे कम मैच होस्ट) (हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन)	25 लाख रुपये	धर्मशाला

वैभव सूर्यवंशी के नाम रही ऑरेंज कैप-गिल और सुदर्शन रह गए पीछे

इस सीजन खूब रन बरसे और कई बल्लेबाजों ने सुर्खियां बटोरी। सबसे ज्यादा अगर किसी चेहरे पर ध्यान केंद्रित रहा तो वह राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे। 15 साल की उम्र में वैभव ने अपने खेल से दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को प्रभावित किया है और यह बहस भी छेड़ दी है कि क्या इस बल्लेबाज को राष्ट्रीय टीम में डेब्यू का मौका मिलना चाहिए? वैभव ने इस सीजन दमदार प्रदर्शन किया और वह टूर्नामेंट के इस सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं।

ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे रहे वैभव

वैभव की टीम राजस्थान रॉयल्स का सफर आईपीएल 2026 में क्वालिफायर-2 में हार के साथ ही खत्म हो गया था। ऑरेंज कैप की दौड़ में वैभव सबसे आगे रहे। फाइनल से पहले गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन दौड़ में बने गुए थे, लेकिन खिताबी मुकाबले में दोनों ही बल्लेबाज सस्ते में आउट हुए और वैभव को इस दौड़ में पीछे नहीं छोड़ सके। 15 साल के वैभव ने इस सीजन दमदार बल्लेबाजी की और उनके आंकड़े तक कोई बल्लेबाज नहीं पहुंच सका।

ब्रिटिश ओपन स्क्वैश: अभय, चोटरानी ने बनाई अगले राउंड में जगह, अनाहत बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वैश के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, रमित टंडन और उभरती हुई महिला खिलाड़ी अनाहत सिंह पीएसए डायमंड इवेंट से बाहर हो गई हैं। विश्व के 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मटियास नुडसेन को 11-8, 11-5, 11-4 से हराया, जबकि वर्ल्ड नंबर 44 चोटरानी ने पाकिस्तान के विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी नूर जमान को 11-8, 12-14, 11-6, 11-7 से हराया। चोटरानी का मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त वाले वेल्श खिलाड़ी जोएल माकिन से होगा, जबकि अभय का अगला मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त वाले मिस्र के मोहम्मद जकारिया से होगा। टंडन फ्रेंचमैन ऑगस्टे डूसॉर्ड के खिलाफ रिटायर हो गए, उस समय स्कोरबोर्ड 14-12 और 4-7 था।

साइमन हर्बर्ट ने दर्ज की शानदार जीत

दूसरी तरफ, साइमन हर्बर्ट ने 2018 के चैंपियन मिगुएल रोड्रिगेज पर 3-0 (15-13, 11-8, 11-4) से शानदार जीत हासिल की। ??इस बीच, सैम टॉड ने फारेस डेसौकी के खिलाफ 54 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम 32 में जगह बनाई। महिलाओं के ड्रॉ में, अनाहत दुनिया की 36वीं नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गैरास से हार गईं, जिन्होंने भारत की नंबर 1 खिलाड़ी को चार गेम में हराकर 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से जीत हासिल करके एक और उलटफेर किया।

उसे मत रोको, बस खेलने दो..., 15 साल के सूर्यवंशी के बल्लेबाजी के दीवाने हुए सचिन

मुंबई, एजेंसी

15 साल की उम्र में जब ज्यादातर बच्चे क्रिकेटर बनने का सपना देख रहे होते हैं, तब वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट का भविष्य बन चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स के इस युवा बल्लेबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में ऐसा तूफान मचाया कि अब सिर्फ फैन्स ही नहीं, बल्कि दिग्गज क्रिकेटर्स भी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। रिकॉर्ड टूट रहे हैं, गेंदबाज बेबस दिख रहे हैं और टीम इंडिया में उनकी एंट्री की मांग हर दिन तेज होती जा रही है। अब इस 'वंडर बॉय' को लेकर खुद सचिन तेंदुलकर ने बड़ी बात कही है। क्रिकेट के भगवान माने जाने वाले सचिन ने वैभव को सलाह देते हुए कहा कि सबसे जरूरी चीज यह है कि वह खुद को बिल्कुल न बदलें। ईएसपीएन क्रिकइंफो अवॉर्ड्स के दौरान सचिन ने कहा, मैं उसे यही कहूंगा

कि वह जैसा है वैसा ही बना रहे। हर चीज का पहला मौका होता है। टेस्ट क्रिकेट में उम्र और अनुभव के साथ वह अलग-अलग चुनौतियों से निपटना सीख जाएगा। सचिन तेंदुलकर ने साफ कहा कि वैभव सूर्यवंशी की नैचुरल बल्लेबाजी से छेड़छाड़ करना गलत होगा। सचिन ने कहा, वह ऐसा खिलाड़ी लगता है जिसे खुद पर पूरा भरोसा है और उसे अच्छी तरह पता है कि वह क्या करना चाहता है। मैं उसकी नैचुरल इंस्टिंक्ट्स के साथ बिल्कुल छेड़छाड़ नहीं करना चाहूंगा। जिस तरह वह गेंद को देखता है और जिस तरह उस पर रिएक्ट करता है, वह बहुत खास है। अगर उसके दिमाग में बहुत सारी बातें डाल दी जाएं और लगातार निर्देश दिए जाएं, वहीं असली समस्या शुरू होगी।

वह पढ़ लेता है लाइन और लेंथ

सचिन तेंदुलकर ही नहीं, अब दुनिया के कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स वैभव की बल्लेबाजी तकनीक के दीवाने हो चुके हैं। सचिन ने बताया, मैंने वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखी। वह शानदार थी, सच में बेहद खास। सिर्फ गेंद को जोर से मारने की क्षमता ही नहीं, बल्कि जिसने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह उसका रिस्टवर्क था। किसी भी बल्लेबाज को मैदान के हर हिस्से में शॉट खेलने के लिए शानदार रिस्टवर्क चाहिए होता है।वह गेंद को सिर्फ स्लॉग नहीं करता।

वह बाकी बल्लेबाजों से पहले लाइन और लेंथ पढ़ लेता है और आराम से गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचा देता है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

वजन और उम्र से मत तौलो, ऐश्वर्या राय की ट्रोलिंग पर भड़कीं माधुरी

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में ऐश्वर्या राय बचन छा गई थीं। लेकिन उनके लुक को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ ने उन्हें ट्रोल भी किया। इस बीच अब उनकी देवदास को-स्टार माधुरी दीक्षित उनके सपोर्ट में सामने आई हैं। माधुरी ने साफ कहा कि ऐश्वर्या को उनके लुक या उम्र से नहीं, बल्कि उनकी अचीवमेंट्स से पहचाना जाना चाहिए।

पीटीआई से बातचीत में माधुरी ने कहा कि ऐश्वर्या पिछले 20 साल से ज्यादा समय से कान्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और उन्होंने देश का नाम दुनिया भर में रोशन किया है।

माधुरी ने कहा- ऐश्वर्या एक ग्लोबल स्टार हैं। मिस वर्ल्ड बनने से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने तक उन्होंने देश को गर्व महसूस कराया है। आप उन्हें सिर्फ उनके वजन, ड्रेस साइज या उम्र के नंबरों से नहीं आंक सकते। वो खूबसूरत हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि वो अंदर से भी खूबसूरत इंसान हैं।

दरअसल, कान्स 2026 के रेड कार्पेट से ऐश्वर्या की कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनके लुक और वजन को लेकर टिप्पणियां करनी शुरू कर दी थीं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए माधुरी ने कहा कि इस तरह की बातें युवाओं के लिए गलत संदेश देती हैं। उन्होंने कहा- जब आप किसी की उपलब्धियों को छोड़कर सिर्फ उसके लुक्स पर बात करते हैं, तो आप आज की युवा पीढ़ी को क्या सिखा रहे हैं? क्या किसी इंसान की कीमत सिर्फ उसके दिखने से तय होती है? मुझे लगता है कि ये बिल्कुल गलत संदेश है।

सोशल मीडिया ने आसान की राह

माधुरी और ऐश्वर्या ने संजय लीला भंसाली की सुपरहिट फिल्म देवदास में साथ काम किया था। दिलचस्प बात ये है कि ऐश्वर्या ने पहली बार साल 2002 में देवदास के प्रीमियर के लिए कान्स फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया था। उस समय उनकी पीली साड़ी वाली तस्वीरें दुनियाभर में चर्चा का विषय बनी थी। सोशल मीडिया पर बढ़ती आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर माधुरी ने कहा कि आज हर किसी के पास अपनी राय जाहिर करने का मंच है। उन्होंने कहा- पहले भी ऐसे लोग होते थे जो आलोचना करते थे, लेकिन उनके पास अपनी बात कहने का माध्यम नहीं था। आज सोशल मीडिया ने हर किसी को वो मंच दे दिया है।

मिस्ट्री मैन की बांहों में हसीना, दुबई के अरबपति बिजनेसमैन के प्यार में हुई लट्टू? इश्क के हो रहे चर्चे

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस क्रिस्टस डिसूजा अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं. कुछ दिन पहले क्रिस्टल का दुबई के अरबपति बिजनेसमैन संग कोजी वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद से बिजनेसमैन संग उनकी डेटिंग की चर्चा तेज हो गई थी. एक्ट्रेस ने अब मिस्ट्री मैन संग रोमांटिक तस्वीर शेयर करके सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है.

इंस्टाग्राम स्टोरी पर मिस्ट्री मैन संग एक मिस्टीरियस फोटो शेयर की है. फोटो में एक्ट्रेस मिस्ट्री मैन की बांहों में दिखाई दे रही हैं. वो रोमांटिक अंदाज में मिस्ट्री मैन का हाथ थामें नजर आईं. मिस्ट्री मैन संग क्रिस्टल काफी खुश लग रही हैं. हालांकि, फोटो में सिर्फ एक्ट्रेस के सपनों के शहजादे का हाथ ही दिखाई दे रहा है. उन्होंने मिस्ट्री मैन का चेहरा रिवील नहीं किया. फोटो के साथ एक्ट्रेस ने हार्ट और एविल आई इमोजी भी बनाई है.

बता दें कि कुछ दिन पहले क्रिस्टल का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो दुबई के अरबपति बिजनेसमैन एपी संग रोमांटिक होती नजर आई थीं. वायरल वीडियो में एपी क्रिस्टल को गाल पर किस (चद्बह्यह्य) करते हुए भी दिखाई दिए थे. इसके बाद से दोनों की डेटिंग की खूब चर्चा हुई. हालांकि, डेटिंग की खबरों को ना तो

एक्ट्रेस और ना ही एपी ने अब तक कंफर्म किया. मगर इसी बीच क्रिस्टल की पोस्ट में मिस्ट्री मैन को देख कई लोगों का मानना है कि शायद क्रिस्टल के मिस्ट्री मैन दुबई के अरबपति बिजनेसमैन एपी ही हैं. एक्ट्रेस धीरे-धीरे अपने रिश्ते को कंफर्म कर रही हैं. अब असल में एक्ट्रेस का मिस्ट्री मैन कौन है? ये तो वही बता सकती हैं. एपी इन दिनों नेटफ्लिक्स के शो देसी ब्लिंग में नजर आ रहे हैं. वो दुबई के एक अरबपति बिजनेसमैन हैं. उनका वहां लग्जरी गाड़ियों का बिजनेस है.

मेट्रो बाजार

ईजमायट्रिप को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 15.4 करोड़ का नुकसान

मुंबई। ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी इजमायट्रिप वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में फायदे से घाटे में फिसल गई है और जनवरी से मार्च की अवधि में कंपनी को 15.4 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जबकि वित्त वर्ष 25 की समान अवधि में कंपनी को 13.9 करोड़ रुपए का फायदा हुआ था। इससे पहले वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी को 3.4 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही में घाटे के बावजूद कंपनी की ऑपरेशंस से आय सालाना आधार 8.9 प्रतिशत बढ़कर 151.9 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 139.5 करोड़ रुपए थी। तिमाही आधार पर इसमें मामूली बढ़त देखी गई है और यह वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में 151.6 करोड़ रुपए पर थी। अन्य आय को भी मिला दिया जाए तो कंपनी की कुल आय वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 166 करोड़ रुपए रही है। मार्च तिमाही में कंपनी का खर्च सालाना आधार पर 38.6 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 18.4 प्रतिशत बढ़कर 153.2 करोड़ रुपए हो गया है।

वित्त वर्ष 2026 के पूरे वर्ष के लिए, इजमायट्रिप ने 47.5 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2025 में कंपनी को 108.6 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। परिचालन से आय भी पिछले वित्त वर्ष के 587.3 करोड़ रुपए से 8.8 प्रतिशत घटकर 535.7 करोड़ रुपए रह गई है। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 85.8 प्रतिशत से अधिक गिरकर 22.9 करोड़ रुपए रह गया, जबकि ईबीआईटीडीए मार्जिन वित्त वर्ष 2025 के 26.7 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत रह गया।

टॉप-10 कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप एक हफ्ते में 1.54 लाख करोड़ रुपए घटा

मुंबई। छुट्टियों के कारण छोटे रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान भारत की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 7 के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1.54 लाख करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई। इस सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत गिरा, जबकि निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत फिसला, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेशकों की सतर्कता के कारण दबाव बना रहा।

निफ्टी के तकनीकी विश्लेषण पर टिप्पणी करते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि ऊपर की ओर इमीडिएट रेजिस्टेंस स्तर 23,900 और 24,100 पर हैं। वहीं नीचे की ओर 23,400 और 23,200 के स्तर महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में देखे जा रहे हैं। एक विश्लेषक ने कहा, यदि निफ्टी 23,200 के स्तर से नीचे निर्णायक रूप से टूटता है तो बाजार में नई बिकवाली देखने को मिल सकती है। वहीं 24,100 के ऊपर लगातार कारोबार होने पर निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है और बाजार में रिकवरी देखने को मिल सकती है। सूचीबद्ध कंपनियों में सबसे बड़ी गिरावट एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में दर्ज की गई, और बैंक का बाजार मूल्य 33,333.06 करोड़ रुपए घटकर 11.46 लाख करोड़ रुपए रह गया। टेलीकॉम क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल का मार्केट कैप 25,408.96 करोड़ रुपए घटकर 11.14 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्य 22,920.58 करोड़ रुपए कम होकर 8.15 लाख करोड़ रुपए रह गया।

म्यांमार में विस्फोटकों से भरी इमारत में धमाका, 55 की मौत

यंगून। म्यांमार के शान प्रांत में हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसा चीन सीमा के निकट नामखाम टाउनशिप के काउंग तात गांव में हुआ। विद्रोही संगठन ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि विस्फोट खनन कार्यों के लिए कथित रूप से जमा किए गए विस्फोटक पदार्थों में लापरवाही से हुए धमाके के कारण हुआ।

मृतकों में 25 महिलाएं

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, विस्फोट ने पूरे गांव में भारी तबाही मचाई है। मृतकों में 25 महिलाएं और 30 पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि क्षतिग्रस्त इमारतों और तबाह मकानों से शव निकाले जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विस्फोट में 100 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। गांव का एक हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है और अनेक परिवार बेघर हो गए हैं।

टीएनएलए के राजनीतिक संगठन पलाउंग स्टेट लिबरेशन फ्रंट ने टेलीग्राम पर जारी बयान में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना की जांच करने की जानकारी दी। संगठन ने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों या संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज विंडो

राज्यसभा चुनाव: नवीन राज्य प्रमुखों के साथ बनाएंगे रणनीति

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में राज्यों के भाजपा अध्यक्षों के साथ अहम बैठक करेंगे। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ साझा किए गए प्रमुख संदेश को राज्य इकाइयों तक पहुंचाने की संभावना है।यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को चुनाव होने हैं। इसके अलावा विभिन्न राज्यों की विधान परिषदों के चुनाव भी निकट हैं। ऐसे में रविवार को भाजपा के कोर ग्रुप के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, नितिन नवीन राज्यों के अध्यक्षों के साथ आगामी चुनावों की रणनीति को अंतिम रूप देने के साथ-साथ मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पर भी चर्चा करेंगे। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष और अन्य राष्ट्रीय महासचिव भी शामिल होंगे। वरिष्ठ नेता आगामी चुनावों, संगठनात्मक विस्तार और राज्यों में पार्टी की गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। भाजपा 2027 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में होने वाले अगले चरण के चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियों को धार देने में जुटी है।

दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय के ऑफिस में लगी आग; चारों ओर धुएं का गुबार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के विकास मार्ग स्थित शिक्षा मंत्रालय के ऑफिस की दूसरी मंजिल पर सोमवार सुबह आग लग गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के काम में जुटी हैं। पुलिस और दमकल इमारत को खाली करा लिया गया है। फायर ऑफिसर, सोमबीर सिंह ने बताया कि सोमवार को सेंट्रल दिल्ली के ITO इलाके में स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर कैंपस में मौजूद शिक्षा मंत्रालय के दफ्तर के सेकेंड फ्लोर पर आग लग गई। उन्होंने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस को सुबह करीब 9.37 बजे आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद तुरंत दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग बुझाने का काम जारी है और अब आग काबू में है। घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चल सकी है।

राजस्थान में यात्रियों से भरी बस पलटी, एक महिला की मौत

हरिद्वार। हरिद्वार सप्तऋषि क्षेत्र में यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में राजस्थान की एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के दौरान सामने से आ रहा एक डंपर भी नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे स्थित ढाबे में जा घुसा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार हादसा शांतिकुंज के पास हाईवे पर हुआ। राजस्थान से आए श्रद्धालुओं का दल गंगा स्नान के बाद वापस लौटने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी बस को बैक किया जा रहा था। अचानक चालक बस से नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क पर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस को पलटता देख सामने से आ रहे डंपर चालक ने टक्कर से बचने का प्रयास किया, लेकिन वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक ढाबे में घुस गया। इस दौरान वहां खड़ी एक बुलेरो भी उसकी चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई।

उत्तराखंड के चंपावत में नदी में फंसे 50 लोगों का रेस्क्यू

देशभर में हीटवेव खत्म बारिश से तापमान गिरा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी

देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश और बादलों के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में फिलहाल हीटवेव की स्थिति खत्म हो गई है। कई राज्यों में बारिश और आंधी के चलते मौसम में बदलाव आया है।

राजस्थान के कई हिस्सों में लगातार दूसरे दिन धूल भरी आंधी चली, जिससे तापमान में गिरावट आई। जैसलमेर में रेतीला तूफान आया। इससे विजिबिलिटी पर असर हुआ, हालांकि किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। राज्य के फलौदी में अधिकतम तापमान 42.6°C रहा। उत्तर प्रदेश के बलिया में 34.4mm और मुरादाबाद में 21.8mm बारिश हुई। लखनऊ में भी 2.4mm बारिश हुई। यहां अधिकतम तापमान 36.3°C रहा, जो सामान्य से 3.9°C कम है। न्यूनतम तापमान 24.7°C रहा। उत्तराखंड में भारी बारिश और खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। चंपावत के श्री रीठा साहिब गुरुद्वारे के वार्षिक जोड़ मेले के दौरान उफनती नदी में 50 से ज्यादा श्रद्धालु फंस गए, जिन्हें बाद में रेस्क्यू किया गया।

इससे पहले शनिवार दोपहर 3 बजे राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में रेतीला तूफान आया था। इसका असर करीब 200 वर्ग किमी के इलाके में रहा। रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी। इस दौरान 56kmph की रफ्तार से आंधी चली।

उत्तराखंड के चंपावत में बारिश के कारण नदी का बहाव तेज हो गया। सुरक्षाबलों ने 50 लोगों का रेस्क्यू किया।

मानसून 4 जून तक केरलम पहुंचेगा

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून 4 जून तक केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। IMD के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है।

केंद्र सरकार ने दी मंजूरी, अभी भी एक पद खाली

सुप्रीम कोर्ट को मिले पांच नए जज, जल्द करेंगे पदभार ग्रहण

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट को पांच नए जज मिल चुके हैं। जल्द ही ये सभी जज अपना पद ग्रहण करेंगे। आज पांच नए जज की नियुक्ति की गई। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट में जज की संख्या बढ़कर 37 हो गई। हालांकि, अभी भी सुप्रीम कोर्ट में एक जज की जगह खाली है, क्योंकि नए कानून के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में अधिकतम 38 जज हो सकते हैं। केंद्रीय विधि मंत्रालय के न्याय विभाग ने सोमवार सुबह अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कर पांच नए जज की नियुक्ति के बारे में बताया।

उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया है। इनके शपथ लेने और पदभार ग्रहण करने के बाद उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या औपचारिक रूप से 37 हो जाएगी।

कॉलेजियम ने 27 मई को की थी सिफारिश: सरकार ने पिछले महीने एक कानून में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी किया था, जिसके तहत भारत के प्रधान न्यायाधीश सहित शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई। न्यायालय में पहले से ही दो पद खाली थे। स्वीकृत संख्या बढ़ाए जाने के बाद शीर्ष अदालत में कुल छह पद खाली हो गए थे।

केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर दी जानकारी

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा कि भारत के राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 124(2) के तहत चार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।

मलेशिया का बड़ा फैसला

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन

कुआलालंपुर, एजेंसी। मलयेशिया ने एक बड़ा कदम उठाते हुए एक नया कानून लागू किया। इसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चे अब अपना सोशल मीडिया अकाउंट नहीं बना पाएंगे। बच्चों में सोशल मीडिया की लत और साइबर बुलिंग के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने ये फैसला लिया है।

यह नियम उन सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लागू होगा जिनके मलेशिया में 80 लाख से ज्यादा यूजर्स हैं। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन कंपनियों को अब अपने प्लेटफॉर्म पर 'एज-वेरिफिकेशन सिस्टम' (उम्र जांचने का तरीका) लगाना होगा। इससे 16 साल से कम उम्र का कोई भी बच्चा अकाउंट नहीं बना सकेगा। अगर कोई टेक कंपनी इन नियमों का पालन नहीं करती है तो उस पर मलयेशियाई मुद्रा में 1 करोड़ रिंगित (या भारतीय रुपयों में लगभग 21 करोड़ रुपये) तक का भारी जुर्माना लग सकता है।

गलती CBSE की, सजा बच्चों को

री-इवैल्यूएशन फीस पर राहुल गांधी का हमला, कहा- इससे कमाई कर रही है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा परिणामों के बाद लागू फीस व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि स्कैन कॉपी, री-टोटलिंग और री-इवैल्यूएशन के लिए छात्रों से शुल्क लिया जा रहा है, जबकि कई मामलों में त्रुटियां खुद बोर्ड की प्रक्रिया में होती हैं।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर राहुल गांधी ने लिखा कि जेबकतरों से सावधान रहें, आज वे सीबीएसई के अंदर बैठे हैं। अगर सीबीएसई की गलती से अंक गलत आ जाएं तो आपको क्या मिलता है? एक बिल। डिजिटल स्कैन कॉपी के लिए 100 रुपये प्रति विषय, री-टोटलिंग के लिए 100 रुपये प्रति पेपर और री-इवैल्यूएशन के लिए 25 रुपये प्रति प्रश्न।

सरकार पर लगाए गंभीर आरोप: कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जब स्कैनिंग मोबाइल फोन से की जाती है तो गलत मूल्यांकन होना स्वाभाविक है और फिर उसे ठीक कराने का खर्च भी छात्र को ही उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि गलती सीबीएसई की है, सजा बच्चे को मिल रही है और कमाई सरकार कर रही है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब शिक्षा को सेवा के बजाय व्यवसाय में बदल दिया जाता है तो गलतियों को सुधारा नहीं जाता, बल्कि उन्हें बढ़ाया जाता है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को अपने समय, आत्मविश्वास और भविष्य के रूप में चुकाना पड़ता है।

राहुल ने क्या दावा किया?

उन्होंने कहा कि एक छात्र को अपनी आंसर सीट की सही जांच करवाने के लिए 2,000 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि करीब चार लाख छात्रों ने इस तरह के आवेदन किए हैं और सवाल उठाया कि इससे सीबीएसई कितनी कमाई कर रहा है।

मेट्रो एंकर आईएसआई की भारत की राजनीति में सेंध लगाने की नई चाल

अब भारत की राजनीति में घुसने की साजिश रच रहा पाकिस्तान

श्रीनगर, एजेंसी

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अब भारत की राजनीति में सेंध लगाने की नई चाल रची है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस षड्यंत्र को राजफाश करते हुए कहा कि हताश आईएसआई जम्मू-कश्मीर में आतंक का फन फैलाने में नाकाम रहा है।

अब उसने जम्मू-कश्मीर में सक्रिय ओवर ग्राउंड वर्कर्स को भारत की मुख्यधारा की राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों का हिस्सा बनकर गतिविधियां जारी रखने के फरमान जारी किए हैं। इसका मकसद सुरक्षाबल की कार्रवाई से बचना, आतंरिक राजनीति को प्रभावित करने के अलावा आतंक के वित्तपोषण को छिपाना व हिंसा को 'स्थानीय' रूप देना है।

इसकी जिम्मेदारी पुराने और निष्क्रिय हो चुके आतंकी संगठनों को सौंपी है। वहीं एजेंसियां नजर बनाए हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर पुलिस की ओर से हाल ही में गिरफ्तार किए आतंकी समर्थकों से पूछताछ में पता चला है कि उनमें कुछ मुख्यधारा की राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों से जुड़े थे।

सुरक्षाबल के दबाव और कश्मीर में स्थानीय समर्थन कम मिलने से आईएसआई का नेटवर्क घिरा है। आईएसआई वर्ष 1990 की शुरुआत में

स्थापित आतंकी संगठनों को सक्रिय करने के लिए प्रयास कर रही है ताकि आतंकी हिंसा को स्थानीय स्वरूप दिया जा सके।

बचने के लिए दिखाते थे राजनीतिक दल का कार्ड

अधिकारियों के अनुसार, जब घेराबंदी और तलाशी अभियानों के दौरान किसी आतंकी समर्थक पर शिकंजा कसता है, तो वे बच निकलने की नाकाम कोशिश में राजनीतिक दलों का कार्ड दिखाने का सहारा लेता है।

1990 में संदिग्ध पुलिस से बचने के लिए मतदाता पहचान पत्र का सहारा लेते थे। बाद के वर्षों में आधार कार्ड का इस्तेमाल। किसी मामले में संलिप्त रहने पर कोई दल हस्तक्षेप कर संबंधित व्यक्तियों को बचाने की कोशिश नहीं करता।

आतंकी समूहों पर नजर

सुरक्षा एजेंसियां उन आतंकी समूहों के नामों के फिर से सामने आने पर नजर रख रही हैं, जिन्होंने 1990 और 2000 के दशक के शुरुआती दौर में खूनी दौर को परिभाषित किया था। इनमें अल-उमर मुजाहिदीन, अल बदर, तहरीक-उल-मुजाहिदीन शामिल हैं। इस षड्यंत्र के जरिये आईएसआई यह दिखाना चाहती है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी हिंसा सीमा पार से संचालित छद्म युद्ध नहीं, आंतरिक निर्देशित है। आतंकी संगठनों का शीर्ष नेतृत्व पाक व गुलाम जम्मू-कश्मीर में धन जुटाने, कट्टरपंथ फैलाने की गतिविधियों को फिर से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564